CMYK

दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

n वर्ष : 11 अंक : 123 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, शनिवार 23 मई, 2026 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162

मॉर्निंग वॉक में सफेद टी-शर्ट में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्मार्ट लुक, अपने संजीदा व्यवहार से ग्रामीण लोगों का जीता दिल

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। सफेद टी-शर्ट में बिल्कुल स्मार्ट लुक में नजर आ रहे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने डूंगरपुर जिले के धंबोला गांव में शुक्रवार की मॉर्निंग को क्षेत्र के लोगों के लिए यादगार बना दिया। इस मॉर्निंग वॉक में करीब 2 किलोमीटर के इलाके में मुख्यमंत्री शर्मा हंसते मुस्कुराते हुए आत्मीय भाव से बिना सुरक्षा प्रोटोकॉल के पैदल चलते हुए, ग्रामीण लोगों से मुलाकात की घर के बाहर बैठे लोगों के साथ उनका हाल-चाल जाना उनकी समस्याएं पूछी और समस्याओं के निस्तारण के लिए मौके पर मौजूद अधिकारियों को तुरंत निर्देश भी दिए, मॉर्निंग वॉक के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का ग्रामीण लोगों ने जगह-जगह शानदार स्वागत किया, स्वागत समारोह में महिलाएं भी मौजूद रही, मुख्यमंत्री ने काफी देर तक अलग-अलग जगह पर ग्रामीणों के समूह के साथ सरकार की योजनाओं को लेकर भी चर्चा की और ग्रामीणों से उनकी समस्याओं और क्षेत्र की समस्याओं के बारे में भी जानकारी हासिल की । मॉर्निंग वॉक के दौरान ग्रामीणों ने पानी, बिजली, जल संचय, पेंशन,राजस्व इत्यादि विभागों से संबंधित समस्याओं के बारे में मुख्यमंत्री को अवगत करवाया और सरकार की ओर से संचालित की जा रही विभिन्न तरह की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में अपना

अनुभव भी ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को बताया तथा योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री का आभार भी प्रकट किया। पूरे मॉर्निंग वॉक के कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री शर्मा ने हमेशा की तरह शुक्रवार को भी एक चाय की दुकान पर भी ग्रामीणों के साथ सामूहिक रूप से बैठकर काफी देर तक संवाद किया और प्रदेश के विकास और लोगों के कल्याण के लिए सरकार आगे और क्या कदम उठाए इसके बारे में ग्रामीणों से सलाह और सुझाव भी लिए ग्रामीणों ने भी खुलकर मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी बातें रखी क्योंकि बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ग्रामीण से हमेशा की तरह ऐसे मिल रहे थे जैसे ग्रामीण उनके परिवार के सदस्य ही हो इसलिए मुख्यमंत्री का सरल सहज और मधुर व्यवहार देखकर ग्रामीण भी काफी खुश और प्रभावित नजर आए और ग्रामीणों ने बिना किसी डर और हिचक के अपनी पूरी समस्याएं मुख्यमंत्री को बताइए कई समस्याओं के निस्तारण के लिए मुख्यमंत्री शर्मा ने मौके पर ही मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया। मुख्यमंत्री शर्मा ने शुक्रवार की रात एक ग्रामीण के घर पर ही रात्रि भोजन किया इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ ग्रामीण परिवार के सदस्यों ने भी सामूहिक रूप से भोजन किया मुख्यमंत्री ने ठेठ ग्रामीण अंदाज में जमीन पर बैठकर साधारण थाली में भोजन ग्रहण किया और भोजन करने के बाद स्वादिष्ट भोजन के लिए ग्रामीण परिवार का आभार भी जताया और भोजन पकाने वाली महिलाओं को धन्यवाद भी प्रेषित किया बाद में मुख्यमंत्री शर्मा ने गुरुवार की रात गांव में ही रात्रि विश्राम किया और फिर शुक्रवार की तड़के सुबह-सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए गांव की फेरी लगाई घ्मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का रात्रि विश्राम और मॉर्निंग वॉक क्षेत्र के लोगों के लिए यादगार पल बन गया । लोगों ने मुख्यमंत्री शर्मा की खूब तारीफ की उनके व्यवहार को काफी अच्छा बताया और कहा कि यह पहली बार देखने को मिला जब प्रदेश के किसी मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री ने पहली बार गांव में किसी ग्रामीण परिवार के घर पर आकर रात्रि का भोजन किया और रात्रि विश्राम भी गांव में ही किया इसलिए मुख्यमंत्री का यह कार्यक्रम क्षेत्र के लोगों के लिए हमेशा हमेशा यादगार बन गया ।

हाई कोर्ट ने आगामी 31 जुलाई तक पंचायत और नगर निकाय चुनाव करवाने के निर्देश सरकार को दिए

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान हाई कोर्ट ने आगामी 31 जुलाई तक प्रदेश में पंचायत राज और नगर निकाय के चुनाव करवाने की निर्देश दिए हैं। इसके साथ-साथ हाईकोर्ट ने ओबीसी आयोग को 20 जून तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है । जानकारी के अनुसार पिछली 11 मई को हाई कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था जिस पर शुक्रवार को हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश की खंडपीठ ने 31 जुलाई तक सरकार को पंचायत राज और निकाय चुनाव करवाने के निर्देश दिए हैं । हालांकि हाई कोर्ट ने राजस्थान सरकार को इस बात के लिए जरूर राहत दी है कि राजस्थान सरकार के खिलाफ हाई कोर्ट के अवमानना नोटिस के संदर्भ में जो याचिका प्रस्तुत की गई थी उस पर हाई कोर्ट ने राजस्थान सरकार को राहत दी और किसी भी तरह का कोई एक्शन नहीं लिया । उल्लेखनीय है कि पिछले साल नवंबर में हाईकोर्ट ने राजस्थान सरकार को 15 अप्रैल 2026 तक पंचायत और नगर निकाय चुनाव करवाने के निर्देश दिए थे जिसके बाद राजस्थान सरकार ने कई बड़ी वजह बताकर इस निश्चित अवधि में चुनाव करवाने में असमर्थथा जाहिर की थी और दिसंबर 2026 तक चुनाव करवाने की बात कही थी जिस पर पिछली 11 मई को हाई कोर्ट ने दोनों ही पक्षों की दलील सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। जिसको शुक्रवार को हाईकोर्ट ने सुनाया जानकारी के अनुसार कांग्रेस पार्टी के नेता और पूर्व विधायक संयम ने हाई कोर्ट के कई अनुसार निर्धारित अवधि पर चुनाव नहीं करवाने की वजह को आधार बनाकर राजस्थान सरकार के खिलाफ हाई कोर्ट की ओर से अवमानना नोटिस जारी करने संबंधी प्रार्थना पत्र हाईकोर्ट में प्रस्तुत किया था लेकिन इस प्रार्थना पत्र पर हाईकोर्ट में राजस्थान सरकार को राहत दी और किसी भी तरह का कोई एक्शन नहीं लिया हाई कोर्ट ने ओबीसी आयोग को आगामी 20 जून तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए हैं अब देखने वाली बात यह है कि हाई कोर्ट के इस निर्णय के बाद सरकार का क्या निर्णय होता है हालांकि माना जा रहा है कि सरकार शायद हाई कोर्ट के कहे अनुसार चुनाव करवा सकती है भले ही ओबीसी आयोग अपने रिपोर्ट प्रस्तुत न करें।

प्रदेश में तीन राज्यसभा सीटों के लिए 18 जून को चुनाव, 10 राज्यों में 26 सीटों को लेकर होगा मतदान

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। चुनाव आयोग ने राजस्थान और देश के अन्य नौ राज्यों में 26 राज्य सभा की सीटों के लिए चुनाव करवाने की तिथि का शुक्रवार को ऐलान कर दिया इन 26 सीटों को लेकर आगामी 18 जून को मतदान होगा। राजस्थान में तीन राज्य सभा सीटों को लेकर 18 जून को मतदान होगा घ् चुनाव आयोग से मिली जानकारी के अनुसार चुनाव आयोग की ओर से चुनाव को लेकर 1 जून को अधिसूचना जारी की जाएगी 9 जून को उम्मीदवारों के नामांकन की जांच होगी 11 जून तक उम्मीदवार नाम वापस ले सकेंगे 10 राज्यों में 26 सीटों को लेकर हो रहे चुनाव में राजस्थान और मध्य प्रदेश में 3-3 राज्यसभा सीटों को लेकर चुनाव होगा इसके अलावा गुजरात आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में चार-चार राज्यसभा सीटों को लेकर चुनाव होगा इसके अलावा अन्य राज्यों में भी राज्यसभा सीटों को लेकर 18 जून को ही मतदान होगा और 18 जून को ही मतों की गिनती की जाएगी राजस्थान में राज्यसभा की तीन सीटों को लेकर हो रहे चुनाव को लेकर उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया की प्रक्रिया जोर-जोर से जारी है राजस्थान में दो सीटों पर भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित बताई जा रही है तथा एक सीट जो कांग्रेस के नीरज डांगी के कार्यकाल के समाप्त होने से खाली हो रही है इस सीट पर कांग्रेस की जीत मानी जा रही है लेकिन भारतीय जनता पार्टी इस कोशिश में है कि प्रदेश की तीनों सीटों पर भाजपा की जीत हो इसलिए भारतीय जनता पार्टी तीनों सीटों पर ही उम्मीदवारों की घोषणा करने जा रही है ।

कॉकरोच जनता पार्टी ने हिंदुस्तान की राजनीति में सनसनी फैलाई

देश के सभी छोटे-बड़े राजनीतिक दलों में हो रही चर्चा

इंटरनेट पर कॉकरोच जनता पार्टी के नाम से बनी वेबसाइट कि भारत और दुनिया भर में हो रही चर्चा, पिछले 5 दिन में ही इंस्टाग्राम पर करीब डेढ़ करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स के जुड़ने से भारत के छोटे बड़े सभी राजनीतिक दलों के के नेताओं की दिल की धड़कन तेज

जयपुर टाइम्स

जयपुर(रोहित शर्मा) पिछली 16 मई को इंटरनेट पर कॉकरोच जनता पार्टी के नाम बनाई गई वेबसाइट से देश के युवा रोजाना बड़ी संख्या में जुड़ने जा रहे हैं, इस पार्टी के प्रति युवाओं का जबरदस्त आकर्षण देखकर देश के छोटे बड़े सभी राजनीतिक दलों में भी इसकी चर्चा होने लगी है हालांकि अभी यह कोई राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित नहीं हुई है लेकिन पिछले 5 दिनों में ही इंस्टाग्राम पर डेढ करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स इस पार्टी से जुड़ चुके हैं और इस पार्टी को लेकर सोशल मीडिया पर मेम्स और कंटेंट की भी बाढ़ आई हुई है जिससे लोगों में यह चर्चा भी होने लगी है कि हो सकता है आने वाले दिनों में कॉकरोच जनता पार्टी वास्तविक राजनीतिक पार्टी का रूप धारण करके चुनाव मैदान में उतर जाए क्योंकि देश के मतदाताओं में युवा मतदाताओं की संख्या काफी ज्यादा है और युवा जिस तरह से कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़कर सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं प्रकट कर रहे हैं उससे ऐसा माना जा रहा है कि देश के युवाओं को एकजुट करने में कॉकरोच जनता पार्टी तेजी से आगे बढ़ रही है। अब यह देखने वाली बात होगी कि इंटरनेट पर वेबसाइट के नाम से बनाई गई यह पार्टी क्या आने वाले दिनों में भारत में राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित और विकसित होगी। फिलहाल आजकल सोशल मीडिया के जमाने में यह पार्टी युवाओं के जुबान पर छा गई है स्कूल कॉलेज और यूनिवर्सिटी के युवा इस पार्टी से लगातार जुड़ रहे हैं कुछ बड़े राजनेताओं ने भी इस पार्टी से जुड़ने की इच्छा प्रकट की है और कई बड़े सक्रिय और ऊर्जावान युवा छात्र नेता इस पार्टी से जुड़ने भी लगे हैं इसलिए देश के छोटे बड़े सभी राजनीतिक दलों के रणनीतिकार सोशल मीडिया पर बनाई गई इस वेबसाइट को काफी गंभीरता से भी ले रहे हैं और देश के युवाओं के मिजाज को भी काफी हद तक राजनीतिक दलों के रणनीतिकारों ने समझ लिया है । यह इसलिए बड़े राजनीतिक दलों के लिए चिंता का कारण बन गया है कि पिछले कुछ सालों में भारत के पड़ोसी देशों में युवाओं ने वहां की सरकारों का तख्ता पलटने में बड़ी भूमिका निभाई इसीलिए कॉकरोच जनता पार्टी के प्रति देश के युवाओं का बढ़ता हुआ क्रेज देखकर देश के छोटे बड़े सभी राजनीतिक दलों के रणनीतिकारों का चिंतित होना लाजमी है । जानकार लोगों का कहना है कि वर्तमान दौर में सोशल मीडिया का काफी प्रभाव है इसलिए कॉकरोच जनता पार्टी के प्रति युवाओं के बढ़ते आकर्षण को मजाक मानना बेवकूफी कहा जा सकता है क्योंकि सिर्फ 5 दिन में ही सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर अपने साथ करीब डेढ़ करोड़ लोगों को जोड़ ले तो फिर इसको साधारण नहीं माना जा सकता है, यह देश के युवाओं का वह अदृश्य मिजाज है जो फिलहाल दिखाई तो नहीं दे रहा लेकिन इसके प्रभाव देश की राजनीति पर आने वाले दिनों में गहराई से देखने को मिल सकते हैं । हालांकि कई राजनीतिक विशेषज्ञ मानते हैं कि यह ज्यादा दिन टिकने वाली नहीं है, यह मजाक और व्यंग्यात्मक प्रदर्शन के तौर पर युवाओं का आकर्षण है जो ज्यादा दिन तक नहीं रहेगा लेकिन भारत के पड़ोसी देश में युवाओं के त्वरित एक्शन से सरकारों को बदलने की घटनाएं भारत के लोग और भारत के राजनेता आज भी नहीं भूल रहे । इसलिए भले ही यह सोशल मीडिया पर फिलहाल पार्टी बनाई गई हो लेकिन हो सकता है पर्दे के पीछे कई बड़े लोग जो देश और विदेशों में बैठे हुए हैं उनके संरक्षण और रहनुमाई में राजनीतिक पार्टी की स्थापना करके चुनाव लड़ने की रणनीति तैयार कर ले क्योंकि कई बड़े-बड़े राजनेता सोशल मीडिया पर जिस तरह से इस पार्टी के प्रति अपनी भावनाएं प्रकट कर रहे हैं उससे इस पार्टी के वास्तविक रूप से राजनीतिक चौला पहनने से इनकार नहीं किया जा सकता क्योंकि इंटरनेट पर बनाई गई इस पार्टी के संस्थापक महाराष्ट्र के औरंगाबाद के रहने वाले अभिजीत दीपके हैं जो पूर्व में वर्ष 2020 से 2022 तक आम आदमी पार्टी के सोशल मीडिया का काम देख चुके हैं इसलिए हो सकता है अभिजीत कुछ बड़े मिशन और संकल्प के साथ देश में भविष्य की राजनीति की रणनीति तैयार कर रहे हो ।

कॉकरोच जनता पार्टी की स्थापना के पीछे का रहस्य

जानकार लोगों का कहना है कि पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा था कि समाज में कुछ परजीवी है जो कॉकरोच की तरह व्यवस्था पर हमला करते हैं इनमें कई मीडिया से जुड़ जाते हैं कई सोशल मीडिया से जुड़ जाते हैं और कई एक्टिविस्ट बन जाते हैं न्यायाधीश सूर्यकांत के इस बयान के प्रति अभिजीत ने नाराजगी प्रकट की और कहा कि अपनी राय प्रकट करने के लिए देश के युवाओं कि इस तरह से तुलना करना संविधान के रक्षक के लिए उचित नहीं कहा जा सकता, इसके बाद अभिजीत ने तुरंत वेबसाइट पर कॉकरोच जनता पार्टी के नाम से वेबसाइट बना दी और इस वेबसाइट की स्थापना के 24 घंटे में ही करीब 10000 युवा इससे जुड़ गए थे हालांकि बाद में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि उन्होंने सिर्फ उन लोगों के लिए कहा था जो फर्जी डिग्री लेकर व्यवस्थाओं पर हमला बोलते हैं उनकी टिप्पणी को गलत तरीके से मीडिया में प्रस्तुत किया गया बात चाहे कुछ भी हो फिलहाल कॉकरोच शब्द को लेकर सोशल मीडिया पर देश की युवा कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़कर मीम्स और ट्रोलिंग के जरिए अपनी भावनाएं प्रकट करके कॉकरोच जनता पार्टी का तेजी से विस्तार और गति दे रहे हैं अभिजीत दीपके बोस्टन यूनिवर्सिटी से पत्रकारिता में मास कम्युनिकेशन की डिग्री धारी है ।

CMYK

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता की तैयारियों के लिए आरसीए ग्राउंड स्टाफ व क्यूरेटर विभिन्न जिला केंद्रों ग्राउंड्स को तैयार करेंगे - आशीष तिवाड़ी, सदस्य आरसीए एडहॉक कमेटी

जयपुर(कास.)। आशीष तिवाड़ी, सदस्य, आरसीए एडहॉक के अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी आरसीए की घरेलू प्रतियोगिताओं के लिए राज्य के विभिन्न जिला केन्द्रो के खेल मैदान को विकसित कर उन्हें आरसीए की राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं व गतिविधियों के आयोजन हेतु उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है जिसके लिए आरसीए के अनुभवी क्यूरेटर व ग्राउंड स्टाफ को जिम्मेदारी दी गयी है। आशीष तिवाड़ी के अनुसार एडहॉक कमेटी ने आरसीए द्वारा राज्य के जिला क्रिकेट केंद्रों पर आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता व अन्य प्रतियोगिता के खेल मैदान व विकेट को विकसित व तैयार करने की दिशा में आरसीए क्यूरेटर व ग्राउंड स्टाफ को नियुक्त किया है। आरसीए ग्राउंड स्टाफ जोधपुर , अलवर, चूरू के खेल मैदानों को आरसीए प्रतियोगिताओं के आयोजन के अनुरूप तैयार करेंगे व जल्द ही राज्य के अन्य जिलों के खेल मैदानों को भी आरसीए ग्राउंड स्टाफ द्वारा प्रतियोगिताओं व गतिविधियों के आयोजन के अनुरूप विकसित किया जायेगा। तिवाड़ी के अनुसार आरसीए क्यूरेटर व ग्राउंड स्टाफ जोधपुर के बरकतुल्लाह खान स्टेडियम के विकेट्स व मैदान को आईपीएल व अंतर्राष्ट्रीय मैचों के समान ही तैयार करेंगे। उनके अनुसार स्टेडियम में प्रतियोगिताओं के आयोजन से खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की परिस्थितियों में खेलने का अवसर प्राप्त हो होगा जिससे उनमे उत्साह का संचार होगा व उनका मनोबल बढ़ेगा।

हाईकोर्ट के आदेश से स्थानीय निकाय चुनावों का रास्ता साफ, लोकतंत्र की जीत - प्रकाश गंगावत

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा प्रदेश में पंचायत एवं नगर निकाय चुनाव 31 जुलाई तक संपन्न कराने के निर्देश दिए जाने पर जिला कांग्रेस कमेटी अलवर ने स्वागत व्यक्त किया है। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रकाश गंगावत ने इसे लोकतंत्र की जीत बताते हुए कहा कि न्यायालय के इस निर्णय से लंबे समय से बनी अनिश्चितता समाप्त हो गई है और जनता को अपने जनप्रतिनिधि चुनने का अवसर समय पर मिल सकेगा। गंगावत ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता का मताधिकार सर्वोपरि है तथा समयबद्ध चुनाव लोकतंत्र को सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार चुनावों को टालकर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को कमजोर करने का प्रयास कर रही थी, लेकिन न्यायालय के हस्तक्षेप से जनता की आवाज को मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ वर्षों के दौरान प्रदेश में विकास कार्यों की गति प्रभावित हुई है और गांवों, ढाणियों तथा वार्ड स्तर की अनेक समस्याओं पर सरकार जवाबदेही से बचती रही है। अब कांग्रेस कार्यकर्ता गांव-गांव और शहर-शहर जाकर जनता के बीच सरकार की कथित विफलताओं को प्रमुखता से उठाएंगे। जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उच्च न्यायालय का यह फैसला कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए उत्साहवर्धक है। इसके साथ ही पार्टी स्थानीय निकाय एवं पंचायत चुनावों की तैयारियों को और तेज करते हुए संगठनात्मक गतिविधियों को मजबूत करेगी तथा जनहित के मुद्दों को लेकर जनता के बीच सक्रिय भूमिका निभाएगी।

सोमवंशी युवक-युवती परिचय सम्मेलन कल, छगन माहुर रहेंगे मुख्य अतिथि

प्रतिभावान विद्यार्थियों, आरएएस चयनित प्रतिभाओं एवं भामाशाहों का होगा सम्मान

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। श्री सोमवंशी (जायसवाल) क्षत्रिय युवा संगठन, जिला अलवर के तत्वावधान में आगामी 24 मई 2026 (रविवार) को युवक-युवती परिचय सम्मेलन-2026, प्रतिभावान छात्र-छात्रा सम्मान समारोह एवं भामाशाह सम्मान-2026 का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम सायं 4 बजे से महावर ऑडिटोरियम, जेल सर्किल के पास, अलवर में आयोजित होगा। आयोजन में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं ओबीसी मोर्चा प्रभारी राजस्थान छगन माहुर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा करेंगे। संगठन के वरिष्ठ सलाहकार सदस्य मुकेश जायसवाल ने बताया कि सम्मेलन के दौरान समाज के उन प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में 75 से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इसके अलावा हाल ही में घोषित आरएएस परीक्षा परिणाम में चयनित समाज की प्रतिभाओं का भी सम्मान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि समाजहित में उल्लेखनीय योगदान देने वाले भामाशाहों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। युवक-युवती परिचय सम्मेलन के माध्यम से समाज के युवाओं को परिचय एवं वैवाहिक संवाद का सशक्त मंच उपलब्ध कराया जाएगा। मुकेश जायसवाल ने समाज के सभी लोगों से कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है। आयोजन को लेकर समाज के युवाओं एवं प्रबुद्धजनों में उत्साह का माहौल है।

राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता के लिए अलवर टीम रवाना, खिलाड़ियों को शर्ट भेंट कर बढ़ाया उत्साह

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। राज्य स्तरीय सब जूनियर बालक एवं बालिका वर्ग बॉक्सिंग प्रतियोगिता में भाग लेने जा रही अलवर जिला टीम का शुक्रवार को होटल स्वरूप विलास में सम्मान किया गया। इस अवसर पर तिरुपति निशान के महाप्रबंधक दिनेश अग्रवाल ने खिलाड़ियों को प्रतियोगिता के लिए शर्ट प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विजेता बनने की शुभकामनाएं दीं। दिनेश अग्रवाल ने खिलाड़ियों से कहा कि वे पूरी मेहनत, अनुशासन और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लें तथा अलवर जिले का नाम प्रदेश स्तर पर गौरवान्वित करें। उन्होंने विश्वास जताया कि टीम प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर सफलता हासिल करेगी। कार्यक्रम में अलवर जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश भार्गव, सचिव देवेंद्र सिंह रावत, कोषाध्यक्ष विनीत जुनेजा, साधना शर्मा, संजय शुक्ला, राकेश शर्मा, विकास शर्मा, भूपेंद्र सिंह राठौड़, महावीर प्रसाद राजोरिया, बॉक्सिंग कोच दीपक गर्ग सहित खिलाड़ी एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन की कामना की। अलवर जिला टीम शनिवार को आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेगी।

राज्य स्तरीय मुक्केबाजी प्रतियोगिता के पहले दिन खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय बालक-बालिका मुक्केबाजी प्रतियोगिता के प्रथम दिवस पर प्रदेशभर से आए खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की। प्रतियोगिता के उद्घाटन दिन रोमांचक मुकाबलों ने खेल प्रेमियों का उत्साह बढ़ा दिया। इस अवसर पर केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव का शुभकामना संदेश प्राप्त हुआ। उन्होंने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई देते हुए खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रतियोगिता के दौरान बीएफआई के उपाध्यक्ष एवं राजस्थान बॉक्सिंग एसोसिएशन के सचिव नरेंद्र कुमार निर्वाण, कार्यकारी अध्यक्ष महेंद्र लुनिवाल, उपाध्यक्ष पूनम सिंह शेखावत, नाथूलाल निर्वाण, दारा सिंह, भूपेंद्र राणावत तथा

अंतरराष्ट्रीय रेफरी विशाल निर्वाण सहित अनेक खेल पदाधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा, कांग्रेस खैरथल-तिजारा जिलाध्यक्ष बलराम यादव, भाजपा मंडल अध्यक्ष जितेंद्र राठौर, गोवर्धन सिंह सिसोदिया, डॉ. के.के. शर्मा एवं रजनीश गुप्ता अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अलवर जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं सदस्य भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

बालक वर्ग के विजेता

बालक वर्ग में गुंजित (जोधपुर), ईशान (जयपुर), चंदन (श्रीगंगानगर), लक्षित सैनी (टोंक), प्रियांशु (दौसा), प्रिंस कुमावत (सीकर), अरविंद (जयपुर), अंश रावत (श्रीगंगानगर), मनोज वर्मा (सीकर), अनुरुद्ध सिंह (भरतपुर), हरप्रीत (हनुमानगढ़), ध्रुव फागना (अलवर), लोकेंद्र सिंह (भरतपुर), सौरव (हनुमानगढ़), यवांश (जयपुर), लक्ष्य (कोटा), छत्रपाल (पाली), विवेक मेहरा (श्रीगंगानगर), आर्यन टेलर (टोंक), दिव्यांशु योगी (अलवर), अनीराज चौधरी (भरतपुर), शौर्यवीर सिंह (चित्तौड़गढ़), आदित्य (हनुमानगढ़), शिवांश (जयपुर), मोहित (पाली), प्रत्यूष (श्रीगंगानगर), अल्फेज खान (उदयपुर), करणवीर (बीकानेर), आयुष मीणा (दौसा) एवं वंश सूरा (हनुमानगढ़) ने अपने मुकाबले जीते।

बालिका वर्ग में भी दिखा दमखम

बालिका वर्ग में लक्षिता (भीलवाड़ा), ओजस्वी (चूरू), धनुष्का (जयपुर), दीप्ति पवार (उदयपुर), गार्गी फौजदार (भरतपुर), नायशा सिंह (उदयपुर), नीरू (हनुमानगढ़), साक्षी (भीलवाड़ा), अरुणा (सीकर), आरोही (उदयपुर), अनीशा (सीकर), वंशिका (अजमेर), लेखनी (अलवर), दर्शिका (जोधपुर), गौरांशी (जयपुर), मारिया मंसूरी (उदयपुर), अवनी शेरावत (अलवर), प्रियांशु (हनुमानगढ़), सिद्धीक्षा (कोटा), आराध्या (टोंक), आर्वि (जयपुर), सोजनयपल (करौली) एवं प्रियांशी (कोटा) ने जीत हासिल कर अगले दौर में प्रवेश किया। प्रतियोगिता में राज्य के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पहले दिन के मुकाबलों से यह स्पष्ट हो गया कि आगामी दौर में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। आयोजकों ने खिलाड़ियों के उत्साह और अनुशासन की सराहना करते हुए प्रतियोगिता के सफल संचालन पर संतोष व्यक्त किया।

लोहिया पाड़ी व्यापार समिति ने किया संजय शर्मा व अशोक खंडेलवाल का भव्य स्वागत

सम्मान समारोह के बाद विशाल भंडारे में उमड़ा जनसैलाब

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। लोहिया पाड़ी व्यापार समिति के तत्वाधान में गुरुवार को आयोजित एक भव्य समारोह में यातायात निरीक्षक संजय शर्मा एवं खंडेलवाल सेवा संगठन के निर्विरोध अध्यक्ष अशोक खंडेलवाल का सम्मानपूर्वक स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में व्यापारियों, समाजसेवियों और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के संयोजक एवं समाजसेवी महेंद्र गोयल ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने में पूर्व पार्षद दिनेश खंडेलवाल, समिति अध्यक्ष भवानी शंकर गुप्ता, सचिव मोनू छाबड़ा, सागर, रिंकू जैन तथा अनिल बजाज ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अतिथियों का पुष्पमालाओं से स्वागत कर सम्मान किया गया। समारोह के उपरांत समिति की ओर से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन के दौरान सामाजिक सौहार्द और

भाईचारे का माहौल देखने को मिला। भंडारे को सफल बनाने में हरि खंडेलवाल, अरविंद खंडेलवाल एवं मोहन खंडेलवाल का विशेष सहयोग रहा। समिति पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों, सहयोगकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए उनके योगदान की सराहना की। कार्यक्रम का समापन सभी के स्वागत-अभिनंदन एवं समाज हित में निरंतर सहयोग की भावना के साथ हुआ

प्रमुख जनगणना अधिकारी ने मालाखेड़ा का दौरा कर जनगणना मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य का किया औचक निरीक्षण

सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य को निर्धारित समयावधि में शत-प्रतिशत पूर्ण करने के दिए दिशा-निर्देश

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिला कलक्टर अलवर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने जनगणना-2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के अंतर्गत नगर पालिका मालाखेड़ा में जनगणना ब्लॉको (एचएलबी) का आकस्मिक निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। प्रमुख जनगणना अधिकारी ने एचएलओ मोबाइल ऐप के माध्यम से प्रगणक द्वारा किए जा रहे फील्ड कार्य की प्रगति का जायजा लिया एवं मकानों की सूचीबद्धता प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि कोई भी मकान एवं परिवार गणना से वंचित नहीं रहे एवं कार्य निर्धारित समयावधि 14 जून 2026 तक शत-प्रतिशत पूर्ण किया जाए। उन्होंने नगरपालिका क्षेत्र की चार्ज अधिकारी नवज्योति कावरिया व सुपरवाईजर को निर्देशित किया कि वे प्रतिदिन प्रगणकों के कार्य का क्रॉस चेक करें तथा तकनीकी समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे जनगणना कर्मियों को सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाकर इस राष्ट्रीय कार्य में सहयोग प्रदान करें। इस अवसर पर चार्ज अधिकारी नगर पालिका एवं उपखण्ड अधिकारी मालाखेड़ा नवज्योति कावरिया, जिला समन्वयक लोकेश मीणा, हरीश कुमार, बीएसओ रामगढ़, कनिष्ठ अभियंता श्याम सुंदर पांडेय, प्रगणक प्रभा सहित संबंधित जनगणना कार्मिक मौजूद रहे।हुए प्रतियोगिता के सफल संचालन पर संतोष व्यक्त किया।

वरिष्ठ जनसंबल कार्यक्रम के तहत बुजुर्गों का सहारा बनी अलवर पुलिस

बीट कांस्टेबलों ने एकल व वरिष्ठ दम्पत्तियों को लिया 'गोद', हर सप्ताह करेंगे कुशलक्षेम व सहायता

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। सामाजिक सरोकार और मानवीय संवेदनाओं को प्राथमिकता देते हुए अलवर पुलिस ने 'वरिष्ठ जनसंबल कार्यक्रम' के तहत एक अनूठी पहल शुरू की है। इस अभियान के अंतर्गत एकाकी जीवन यापन कर रहे वरिष्ठ नागरिकों एवं ऐसे वृद्ध दम्पत्तियों को, जिनका कोई सहारा नहीं है, पुलिसकर्मियों द्वारा नियमित सहयोग और संरक्षण प्रदान किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी (आईपीएस) ने बताया कि पुलिस मुख्यालय जयपुर के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) डॉ. दीपक कुमार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) डॉ. प्रियंका के नेतृत्व में थाना रैणी के उपनिरीक्षक बने सिंह व उनकी टीम द्वारा इस संवेदनशील अभियान की शुरुआत की गई है। इसका उद्देश्य अकेले रह रहे बुजुर्गों में सुरक्षा, अपनत्व और विश्वास की भावना को मजबूत करना है।

बीट स्तर पर किया गया सर्वे

अभियान के तहत थाना क्षेत्र की विभिन्न बीटों में तैनात कांस्टेबलों ने सघन सर्वे कर ऐसे वरिष्ठ नागरिकों और दम्पत्तियों को चिन्हित किया है, जो पूर्णतः एकाकी हैं और जिन्हें देखभाल व सहयोग की आवश्यकता है।

कांस्टेबल निभाएंगे परिजनों का दायित्व

चिन्हित किए गए बुजुर्गों को संबंधित बीट कांस्टेबलों द्वारा प्रतीकात्मक रूप से 'गोद' लिया गया है। पुलिसकर्मी नियमित रूप से उनके घर जाकर कुशलक्षेम पूछेंगे तथा परिवार के सदस्य की तरह उनकी समस्याओं के समाधान में सहयोग करेंगे।

हर रविवार पहुंचेगी आवश्यक सामग्री

कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक सप्ताह बीट कांस्टेबल बुजुर्गों के घर पहुंचकर फल, सब्जियां, अनाज, पेयजल सहित अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे। पुलिस प्रशासन ने इसके लिए विशेष लक्ष्य निर्धारित किए हैं, ताकि जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

भामाशाहों का भी मिल रहा सहयोग

इस पुनीत कार्य में स्थानीय भामाशाहों और दानदाताओं का भी सहयोग लिया जा रहा है। उनके योगदान से जरूरतमंद बुजुर्गों तक सहायता पहुंचाई जा रही है, जिससे सामुदायिक पुलिसिंग को भी मजबूती मिल रही है।

अलवर पुलिस का कहना है कि यह पहल केवल सहायता प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के सम्मानित वरिष्ठ वर्ग को सुरक्षा और आत्मीयता का एहसास कराने का प्रयास भी है। पुलिस प्रशासन ने विश्वास दिलाया है कि अपराध नियंत्रण के साथ-साथ असहाय बुजुर्गों की सेवा और सुरक्षा के लिए भी वह सदैव तत्पर रहेगा।

जिला प्रशासन का नवाचार 'समाधान शिविर'

कठूमर में समाधान शिविर व जनसुनवाई का हुआ आयोजन

जिला कलक्टर ने जनसुनवाई कर सुनी परिवेदनाएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

अलवर।(निसं.) जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने शुक्रवार को कठूमर में आयोजित जिला प्रशासन के नवाचार समाधान शिविर का अवलोकन कर आमजन को केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का जागरूक रहकर लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान उन्होंने जनसुनवाई कर आमजन की परिवेदनाओं को गंभीरता से सुनकर उपखण्ड अधिकारी को उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिये। जिला कलक्टर ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं से सभी पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित कराने के उद्देश्य से जिले में 'समाधान शिविर' आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों की आज कठूमर में आयोजित शिविर से शुरूआत की गई है। उन्होंने कहा कि जिले के प्रत्येक ब्लॉक मुख्यालय पर 21 अगस्त तक समाधान शिविरों का आयोजन होगा, जिसमें केंद्र सरकार की 11 जनकल्याणकारी योजनाओं एवं राज्य सरकार की मुख्यमंत्री फ्लैगशिप योजनाओं का शत-प्रतिशत सैचुरेशन किया जाएगा। साथ ही ई-गर्वनेंस के अंतर्गत संचालित समस्त पोर्टल पर लंबित प्रकरणों का समयबद्ध एवं प्राथमिकता के आधार पर शत-प्रतिशत निस्तारण प्रमुखता से किया जाएगा।

जनसुनवाई कर गंभीरता से सुनी आमजन की परिवेदनाएं

जिला कलक्टर ने शिविर में मौजूद फरियादियों की परिवेदनाओं को गंभीरतापूर्वक सुनकर उपखण्ड अधिकारी को उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आमजन की परिवेदनाओं के त्वरित निराकरण के साथ फरियादियों को सूचित कर उनके

संतुष्टि स्तर में वृद्धि की जाए। साथ ही राजस्थान सम्पर्क पोर्टल सहित विभिन्न माध्यमों से प्राप्त परिवेदनाओं का भी गुणवत्ता के साथ समयबद्ध निस्तारण करें। उन्होंने निर्देश दिये कि सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र व्यक्तियों सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहे। सभी पात्र व्यक्तियों को केंद्र व राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं से लाभांवित करावे।

आमजन से संवाद कर लिया फीडबैक, समाधान शिविर पहल की कि सराहना

उन्होंने आमजन से संवाद कर केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं में लाभ प्राप्त करने का फीडबैक लेकर कहा कि आमजन को सरकार की योजनाओं से लाभांवित कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने आमजन को जागरूक रहकर सरकार की जनहितैषी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का ना केवल स्वयं लाभ उठावे बल्कि अपने परिचित सभी पात्र व्यक्तियों को इनकी जानकारी देकर उन्हें लाभांवित कराने में सहयोग करें। शिविर में लाभार्थियों ने समाधान शिविर के माध्यम से सरकारी योजनाओं के लाभ मिलने पर अपने अनुभव साझा किये। उन्होंने आमजन की मूलभूत समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं सरकार की योजनाओं से लाभांवित कराने हेतु जिला प्रशासन किए गए समाधान शिविर के नवाचार की सराहना की।

जटियाणा में अवैध शराब बेचने की शिकायत पर, जिला कलक्टर ने कार्रवाई के दिए सख्त निर्देश

नई ट्यूबवेल निर्माण तक गांव जटियाणा, झरियाणा में टैंकरों के माध्यम से कि जाए सुचारू जलापूर्ति- जिला कलेक्टर

ग्राम पंचायत जटियाणा में रात्रि चौपाल, जिला कलेक्टर ने सुनी स्थानीय समस्याएं

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निसं.)। उपखंड कोटकासिम की ग्राम पंचायत जटियाणा में

जिला कलक्टर अतुल प्रकाश की अध्यक्षता में गुरुवार को रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता से सुनते हुए जिला कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। रात्रि चौपाल के दौरान रास्ते संबंधित प्रकरण, राजस्व, अवैध शराब बिक्री, बिजली, पानी, बिजली सहित विभिन्न विषयों से जुड़े कुल 36 परिवाद प्राप्त हुए। जिला कलेक्टर ने मौके पर ही अधिकारियों को प्रकरणों के समाधान के लिए शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए। जटियाणा में अवैध शराब की बिक्री की शिकायत को जिला कलेक्टर ने गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। वहीं जटियाणा एवं झरियाणा गांवों में पेयजल समस्या को लेकर जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई, जिस पर अधीक्षण अभियंता जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग ने अवगत कराया कि गांव में नई बोरवेल के लिए प्रस्ताव भेजा जा चुका है। इस पर जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नई जल स्रोत/बोरवेल निर्माण की प्रक्रिया पूर्ण होने तक वैकल्पिक व्यवस्था के तहत टैंकरों के माध्यम से गांवों में नियमित एवं सुचारू पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि भीषण गर्मी के दौरान किसी भी ग्रामीण को पानी जैसी मूलभूत सुविधा के लिए परेशानी का सामना न करना पड़े। इस दौरान शुद्धिकरण से संबंधित चार प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण कर परिवादी को चौपाल के दौरान ही लाभ दिया गया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकरण को अनावश्यक लंबित न रखा जाए और शीघ्र ही समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही परिवादियों से व्यक्तिगत संपर्क बनाकर निस्तारण प्रक्रिया को प्रभावी बनाने और औसत निपटान समय में सुधार लाने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं वृद्धजन पेंशन योजना, आपकी बेटी योजना, विधवा पेंशन योजना, मुख्यमंत्री पालनहार योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, लाडो योजना, जल जीवन मिशन, पीएम सूर्यघर योजना एवं पीएम विश्वकर्मा योजना की जानकारी देते हुए आमजन को आवेदन प्रक्रिया से अवगत कराया। साथ ही कृषि विभाग की योजनाओं जैसे तारबंदी योजना, फार्म पॉन्ड, प्याज भंडारण एवं अन्य योजनाओं पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। रात्रि चौपाल में अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, उपखंड अधिकारी रेखा यादव, तहसीलदार वीरेंद्र, जनप्रतिनिधिगण, ग्रामीणजन तथा विभिन्न विभागों के जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

डॉ समित शर्मा ऐसे आईएएस जिनके अभूतपूर्व कार्यों, नवाचार और योजनाओं को पूरी दुनिया ने किया सैल्यूट

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। वरिष्ठ आईएएस डॉ. समित शर्मा का नाम सुनते ही एक आत्मीय सुखद एहसास की अनुभूति होती है, इन्हें अपनी लंबी आईएएस की नौकरी के दौरान लोगों का इन्हें जितना प्यार, सम्मान मिला उतना शायद हर किसी को नहीं मिला, प्रदेश में अलग-अलग विभागों में नियुक्ति के दौरान इनके नवाचार, नवीन प्रयोग, उत्कृष्ट कार्यो और अभूतपूर्व योजनाओं के चर्चे और तारीफ राजस्थान और पूरे भारतवर्ष में ही नहीं हुई बल्कि दुनिया के कई देशों ने इनके नवाचार और इनकी ओर से लाई गई योजनाओं को लागू किया इसीलिए राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे भारतवर्ष के सबसे काबिल आईएएस अधिकारियों में माना जाता है, चिकित्सा के क्षेत्र में इनके उत्कृष्ट कार्य, नवीन प्रयोगों और इनकी ओर से लाई गई सस्ती जेनेटिक दवाई योजना और निशुल्क दवा योजना के चर्चे राजस्थान और भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों में हुए और विदेशों में इनकी योजनाओं को लागू भी किया गया, इतना ही नहीं प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना और प्रधानमंत्री जन औषधि योजना का जो ड्राफ्ट तैयार किया गया वह ड्राफ्ट भी सस्ती जेनरिक दवाइयां और निशुल्क दवा योजना के आधार पर ही तैयार किया गया था इसीलिए चिकित्सा के क्षेत्र में इनके नवीन प्रयोगों और इनकी अभूतपूर्व शानदार योजनाओं को देखकर इन्हें मेडिसिन मैन की उपाधि मिली हुई है, जयपुर मंसूरी और झालावाड़ में ट्रेनिंग समाप्त करने के बाद इन्हें वर्ष 2006 में जब जोधपुर में एसडीएम पद पर पहली बार नियुक्ति मिली उसके बाद से लेकर अब तक प्रदेश में कई जिलों में कलेक्टर पद पर रहे रहे, जयपुर और जोधपुर में संभागीय आयुक्त पद पर भी रहे इसके अलावा विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों में बड़े पदों पर नियुक्त रहने के दौरान इन्हें प्रदेश की जनता से जो प्यार और सम्मान मिला ऐसा सम्मान और प्यार बहुत कम ही किसी अधिकारी के प्रति देखने को मिलता है लेकिन लोगों की भलाई और कल्याण के लिए इन्होंने अपनी पूरी सर्विस के दौरान लोगों के प्रति जो संवेदनशीलता जताई और फिर इस संवेदनशीलता से प्रेरित होकर बड़ी-बड़ी सरकारी योजनाओं का ड्राफ्ट तैयार करके लोगों के जीवन को खुशहाल बनाने का जो उत्कृष्ट कार्य किया उसी का परिणाम है कि डॉ समित शर्मा जहां भी और जिस भी विभाग में पोस्टेड रहे वहां के लोग इनके ट्रांसफर पर भड़क जाते थे और ट्रांसफर के विरोध में सड़कों पर उतर जाते थे ऐसा नजारा एक या दो बार नहीं बल्कि अनेकों बार प्रदेश में अलग-अलग जगह पर देखने को मिला इसीलिए इन्होंने अपनी लंबी सर्विस के दौरान लोगों के दिलों में अपना एक अलग मुकाम बनाया उसी का नतीजा है कि लोग इनके लिए जीने मरने को तैयार रहते हैं चित्तौड़गढ़ और नागौर में जब कलेक्टर पद से इनका ट्रांसफर हुआ तो इनके ट्रांसफर के विरोध में कई दिनों तक बाजार बंद रहे थे और कई दिनों तक लोगों ने सड़कों पर प्रदर्शन किए थे बाद में इन्हें खुद मौके पर जाकर लोगों को समझाना पड़ा, इनमें कई बड़ी-बड़ी खूबियां हैं जो इन्हें एक अलग कैटेगरी के अधिकारी के रूप में सुशोभित करती है इनमें अनुशासन, ईमानदारी,टाइम पंक्चुअल और नियम सिद्धांतों पर आधारित उनकी जीवन शैली और नौकरी करने का इनका स्टाइल इतना खास और अलग है कि अपनी इतनी लंबी सर्विस में एक भी दिन अपने गले में आईडी कार्ड के बिना नजर नहीं आए, हमेशा ड्यूटी के दौरान इनके गले में आईडी कार्ड नजर आता है जो प्रदेश और देश के किसी अन्य अधिकारी के गले में कभी देखा ही नहीं जाता, ड्यूटी और पद के प्रति इनकी इतनी गंभीरता और सजकता इन्हें अव्वल दर्जे का आईएएस अधिकारी बनाए हुए हैं

मेडिसिन मैन के नाम से माने जाने वाले सुमित शर्मा की चिकित्सा के क्षेत्र में लाई गई सस्ती जेनरिक दवाइयां और निशुल्क दवा योजना को राजस्थान और भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों ने अपनाया, ऐसे पहले अनुशासित और सिद्धांतों पर चलने वाले अधिकारी जो हमेशा गले में आई कार्ड रखते हैं और जिनका लोगों के दिलों से इतना गहरा जुड़ाव कि चित्तौड़गढ़ नागौर और अन्य कई जगहों पर इनका ट्रांसफर होने पर जनता, व्यापारी और सरकारी कर्मचारी इत्यादि सभी सड़कों पर प्रदर्शन करते देखे गए तथा जिनकी देश और दुनिया में लोकप्रियता देखकर फिल्म स्टार आमिर खान ने भी अपने सत्यमेव जयते कार्यक्रम में अतिथि के तौर पर बुलाया।

चिकित्सा के क्षेत्र में सस्ती जेनरिक दवा योजना और निशुल्क दवा योजना को लेकर समित शर्मा का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित

आईएएस अधिकारी बनने से पहले करीब 5 साल तक डॉ समित शर्मा ने चाइल्ड स्पेशलिस्ट के रूप में सेवाएं दी इसलिए चिकित्सा क्षेत्र के मामले में इन्हें पहले से ही संपूर्ण गहन जानकारी थी मरीज और परिजनों की शिकायतों, असुविधाओं, दवाइयां का उत्पादन, दवाई की सरकारी और निजी स्तर पर वितरण व्यवस्था, लोगों की आर्थिक स्थिति इन सब विषयों के बारे में डॉक्टर समित बहुत अच्छी जानकारी रखते थे इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्र और निर्धन लोगों को उपचार में किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है इसके बारे में इन्हें बहुत अच्छी जानकारी थी सरकारी और निजी अस्पतालों की व्यवस्थाओं इत्यादि सभी के बारे में इन्हें पहले से ही भरपूर नॉलेज था इसीलिए वर्ष 2008 में जब डॉ. समित शर्मा चित्तौड़गढ़ के कलेक्टर थे तब इन्होंने लोगों को राहत देने के लिए दिन-रात मेहनत करके सस्ती जेनेरिक दवाई योजना को जमीन पर उतारा जिसकी पूरे राजस्थान और देश में काफी चर्चा हुई डॉक्टर समित शर्मा के इस नवाचार को पूरी दुनिया ने सेल्यूट किया, इनके इस अभूतपूर्व नवाचार को देखकर राजस्थान सरकार ने इन्हें निशुल्क दवा योजना का ड्राफ्ट तैयार करने की जिम्मेदारी दी जिस पर इन्होंने काफी कड़ी मेहनत की और दिन रात रिसर्च और स्टडी करके इन्होंने निशुल्क दवा योजना का ड्राफ्ट तैयार करके सरकार के समक्ष प्रस्तुत किया जिसको राजस्थान और भारतवर्ष में ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों ने खुले दिल से इसको अपने यहां लागू किया और देखते ही देखते डॉक्टर समित शर्मा अपने इस नवाचार से भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों में पॉपुलर हो गए बाद में सस्ती जेनरिक दवा योजना और निशुल्क दवा योजना के आधार पर ही भारत सरकार ने प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना और प्रधानमंत्री जन औषधि योजना का ड्राफ्ट तैयार कर किया और देश को समर्पित किया इस तरह से चिकित्सा के क्षेत्र में डॉक्टर समित शर्मा कि यह प्रयास स्वर्ण अक्षरों में अंकित हो गए ।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने भी किया सम्मानित, विख्यात फिल्म अभिनेता आमिर खान ने भी सत्यमेव जयते कार्यक्रम में अतिथि के तौर पर डॉ. समित को बुलाया

जानकारी के अनुसार चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ. समित शर्मा की ओर से किए गए उत्कृष्ट कार्यो नवीन प्रयोग और सस्ती जेनरिक दवा योजना और निशुल्क दवा योजना का ड्रॉप तैयार करने में उल्लेखनीय भूमिका निभाने पर वर्ष 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय मनमोहन सिंह ने भी दिल्ली बुलाकर विशेष रूप से डॉक्टर समित का सम्मान किया। हालांकि अब तक की लंबी सर्विस में अलग-अलग विभागों में रहने के दौरान अपने उत्कृष्ट कार्यो के लिए डॉक्टर समित को कई बड़े-बड़े पुरस्कार मिल चुके हैं इसके अलावा व्यापारिक संगठनों, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं और चिकित्सा के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम कर रही संस्थाओं की ओर से कई बार इन्हें सम्मानित किया जा चुका है इसके अलावा चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर देश और दुनिया में इन्हें जो लोकप्रियता मिल रही थी उसको देखकर फिल्म स्टार आमिर खान ने भी 2012 में इन्हें अपने ऐतिहासिक सत्यमेव जयते शो के लिए विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया । इस ऐतिहासिक शो में आमिर खान ने सस्ती जेनेटिक दवा योजना और निशुल्क दवाई योजना के बारे में भी कई तरह के सवाल जवाब इनसे पूछे इन योजनाओं को तैयार करने में कितना समय लगा, किस तरह से यह योजनाएं तैयार की गई, इन योजनाओं को तैयार करने में किन-किन विषयों को शामिल किया गया और किस किस विषय को आधार बनाकर यह योजना तैयार की गई इन सब के बारे में आमिर खान ने इसे कई बड़े-बड़े महत्वपूर्ण सवाल पूछे जिनका डॉक्टर समित शर्मा ने बहुत ही प्रभावपूर्ण तरीके से जवाब दिया जिसको देश पर पूरी दुनिया ने सुना और देखा इस ऐतिहासिक शो को पूरी दुनिया के लोगों ने देखा जिसकी वजह से समित शर्मा राजस्थान और भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों में एक पॉप्युलर और चर्चित अधिकारी बन गए ।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक मिशन के तहत डॉ. सुमित शर्मा को सहकारिता विभाग जिम्मेदारी दी

सरकारों के लिए सहकारिता विभाग कितना महत्वपूर्ण और प्रभावशाली है इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के पास सहकारिता विभाग की भी जिम्मेदारी है इसलिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक मिशन के तहत सहकारिता विभाग की जिम्मेदारी डॉ.समित शर्मा को दी है क्योंकि सहकारिता विभाग को लेकर अमित शाह भी काफी गंभीर और चौकस है। इस विभाग के कामकाज को लेकर और विभाग की मॉनिटरिंग को लेकर अमित शाह जयपुर में कार्यक्रम भी कर चुके हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा यह अच्छी तरह से जानते हैं कि सहकारिता विभाग प्रदेश की शहरी और ग्रामीण जनता से सीधा जुड़ा हुआ है यह विभाग किसान, मजदूर युवा और महिलाओं से भी सीधा जुड़ा हुआ है । मुख्यमंत्री शर्मा यह भी जानते हैं कि सहकारिता विभाग सालों से अपने कामकाज और कार्य शैली को लेकर आलोचनाओं का शिकार होता आया है इस विभाग में कई तरह की गड़बड़ियों, कमियां और भ्रष्टाचार हमेशा सरकारों के लिए बड़ी चुनौती बना रहा है इसलिए इस विभाग की कार्यशैली को साफ सुथरा स्वच्छ और पारदर्शी बनाने के लिए मुख्यमंत्री शर्मा एक ऐसे अधिकारी को इस विभाग की बागडोर देना चाहते थे जो पूरी मेहनत और ईमानदारी के साथ काम करते हुए सहकारिता विभाग में पोस्टेड अधिकारियों और कर्मचारी को अच्छे कार्यों के लिए प्रेरित करके उनसे अच्छा कार्य करवा सके इसमें डॉक्टर समित शर्मा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहली च्वाइस बने क्योंकि डॉक्टर समित एक वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी होने के साथ-साथ इन्होंने अपनी लंबी सर्विस में हर विभाग और हर जगह पर दिन रात कड़ी मेहनत करके अच्छे से अच्छा परफॉर्मेंस करके दिखाया और अपनी सर्विस बुक में कई बड़ी-बड़ी उपलब्धियां दर्ज की जिनके बारे में मुख्यमंत्री शर्मा अच्छी तरह से जानते थे इसीलिए सहकारिता विभाग की दिशा और दशा सुधारने के लिए उन्होंने डॉक्टर समित को चुना, इसमें कोई संदेह नहीं इस विभाग की बड़ी-बड़ी चुनौतियां और कठिन परिस्थितियों का मुकाबला करने में डॉ. समित पूरी तरह से पहले से ही तैयार थे इस विभाग की काया को बदलने के लिए डॉ.समित ने व्यापक कार्य योजना तैयार करने के साथ-साथ नियमित रूप से मॉनिटरिंग और विभागीय कामकाज को ज्यादा से ज्यादा ऑनलाइन करने की प्रक्रिया पर तेजी से कार्य कर रहे हैं इसके अलावा सहकारी समितियां के चुनाव, सहकारी बैंकों के किसानों को ऋण वितरण करने की व्यवस्था, सहकारी संस्थाओं का नियमित रूप से ऑडिट करने तथा नियम और सिद्धांतों के खिलाफ संचालित हो रही सहकारी संस्थाओं के खिलाफ गड़े कदम उठाने जैसे इत्यादि सभी महत्वपूर्ण विषयों पर डॉ.समित प्रभावपूर्ण तरीके से कार्य करते हुए दिख रहे हैं जिसके अच्छे नतीजे भी सामने आने लगे हैं, सहकारिता का ज्यादा से ज्यादा आविष्कार करने और ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाने की दिशा में डॉ समित शर्मा का विशेष फोकस है और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों का सहकारिता के प्रति भरोसा और विश्वास मजबूत बना रहे इसके लिए डॉ. समित संकल्पित भाव से प्रयास करते हुए नजर आ रहे हैं ।

सुरीली आवाज के मालिक हैं डॉ समित, भजन संध्या में अच्छे भजन गाकर श्रोताओं का जीता दिल

डॉ समित शर्मा एक बेहद सरल सहज और नेक दिल अधिकारी के रूप में माने जाते हैं, बचपन से ही घर पर अच्छे संस्कार और नैतिक आचरण जैसी अच्छी शिक्षा माता-पिता और अन्य परिजनों से मिली इसलिए बचपन से घर वालों से मिले अच्छे संस्कारों से लोगों के प्रति इनका आत्मीय और सेवा भाव देखते ही बनता है, ईश्वर के प्रति अटूट श्रद्धा और अच्छे कर्म करते रहना इनके जीवन का अभिन्न अंग बना हुआ है इसीलिए कई बार जब इन्हें किसी भजन संध्या में बुलाया जाता है तो खुद ईश्वर की भक्ति में इतने लीन हो जाते हैं कि खुद गायक से माइक लेकर भजन गाने लग जाते हैं इनकी जादुई आवाज को सुनकर लोग भी काफी रोमांचित होते हैं लोगों को यह यकीन नहीं होता कि कोई इतना बड़ा अधिकारी इतनी मधुर वाणी और लय में इतने अच्छे तरीके से एक प्रोफेशनल गायक की तरह भजन प्रस्तुत कर सकता है ।

चाइल्ड स्पेशलिस्ट से बने आईएएस अधिकारी

वर्ष 2004 बैच के आईएएस अधिकारी डॉक्टर समित शर्मा मुख्य रूप से अजमेर के रहने वाले हैं इन्होंने मेडिकल में पोस्ट ग्रेजुएशन किया है और 5 साल तक चाइल्ड स्पेशलिस्ट के रूप में चिकित्सा के क्षेत्र में इन्होंने अपनी सेवाएं दी लेकिन इनके विज्ञान के टीचर डॉक्टर पीसी जैन जो बाद में उनके ससुर भी बन गए उन्होंने इन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवा में जाने को प्रेरित किया और कहा कि डॉक्टरी करने के बाद भी अधिकारी बना जा सकता है क्योंकि डॉक्टर पीसी जैन डॉ समित शर्मा के पिता सुरेंद्र कुमार शर्मा के गहरे दोस्त थे इसलिए अपना गुरु और अपने पिता के अच्छे दोस्त होने से समित शर्मा डॉ. पीसी जैन का पितातुल्य सम्मान करते थे । इसलिए उन्होंने पीसी जैन की बात को काफी गंभीरता से लिया और डॉक्टरी की प्रैक्टिस के दौरान ही इन्होंने भारतीय प्रशासनिक सेवा भर्ती परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी और वर्ष 2003 में आयोजित भारतीय प्रशासनिक सेवा परीक्षा में 68वीं रैंक हासिल करके अपने गुरु और पितातुल्य डॉ.पीसी जैन के सपने को पूरा किया। बाद में पीसी जैन की बेटी सोनिका के साथ इनका विवाह भी हुआ बताते हैं कि इनके ससुर पीसी जैन यह जानते थे कि समित शर्मा एक टैलेंटेड, ऑनेस्ट और आत्मीय भाव रखने वाले इंसान है इसलिए इस तरह के इंसान का कार्य क्षेत्र काफी विशाल और बड़ा होना चाहिए ताकि समाज के लोगों की ज्यादा से ज्यादा सेवा हो सके हालांकि डॉक्टर समित शर्मा ने भारतीय प्रशासनिक सेवा का अधिकारी बनने से पहले करीब 5 साल तक चाइल्ड स्पेशलिस्ट के बतौर सेवाएं दी और एक अच्छे डॉक्टर के रूप में उन्होंने खुद की पहचान बना ली थी लेकिन पीसी जैन यह चाहते थे कि समित शर्मा ज्यादा से ज्यादा विभागों और सेक्टर में रहकर लोगों की सेवा करें इसीलिए उन्होंने इन्हें आईएएस बनने के लिए प्रेरित किया ।

कई महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी को शानदार तरीके से निभाया, सरकार और प्रदेश के लोगों का जीता दिल

जानकारी के अनुसार वर्ष मंसूरी जयपुर और झालावाड़ में ट्रेनिंग के बाद डॉ. समित शर्मा को जोधपुर में सबसे पहले एसडीएम पद पर नियुक्ति मिली, इसके बाद कोटा नगर निगम में कार्यकारी अधिकारी, अलवर और भिवाड़ी में यूआईटी सचिव, चित्तौड़गढ़ और नागौर में कलेक्टर पद पर जिम्मेदारी मिली, इसके अलावा एनआरएचएम मिशन डायरेक्टर पद पर रहे तथा आरएमएससी के प्रबंध निदेशक पद पर भी रहे, जयपुर और जोधपुर के संभागीय आयुक्त पद पर भी नियुक्त रहे इसके अलावा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग और भूगर्भ जल विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग में शासन सचिव पद पर नियुक्त रहे । जयपुर मेट्रो के प्रबंध निदेशक पद पर भी कार्य किया इसके अलावा पशुपालन, मत्स्य, गोपालन जैसे विभागों का उत्कृष्ट तरीके से संचालन किया वर्तमान में प्रदेश में सहकारिता विभाग के शासन सचिव पद पर नियुक्त हैं, इनकी कार्य कुशलता ईमानदारी और समर्पित भाव से कड़ी मेहनत से कार्य करने की उनकी प्रवृत्ति को देखकर ही प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इन्हें सहकारिता विभाग की जिम्मेदारी दी है क्योंकि सहकारिता विभाग सालों से अपने कामकाज और कार्यशैली को लेकर विपक्षी दलों के नेताओं की आलोचना का शिकार होता आया है कई तरह की गड़बड़ियां अनियमिताएं और भ्रष्टाचार जैसे एलिगेशन इस विभाग के साथ हमेशा से जुड़े रहे हैं इसलिए इस विभाग की कार्यशैली को स्वच्छ साफ सुथरा और पारदर्शी बनाने के लिए मुख्यमंत्री शर्मा ने डॉ समित शर्मा पर काफी भरोसा किया है ।

डॉ समित की आंगनबाड़ी केदो में खेलते खेलते शिक्षा और मस्ती की पाठशाला का प्रयोग बच्चों की शिक्षा के लिए बन गया वरदान

डॉ .समित शर्मा नवाचार और नवीन प्रयोगों के पर्याय माने जाते हैं जहां भी और जिस भी विभाग में रहे वहां इन्होंने हमेशा नवाचार और नवीन प्रयोग करके लोगों के जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास किया इसी क्रम में जब वे महिला एवं बाल विकास विभाग के शासन सचिव पद पर नियुक्त हुए तब आंगनबाड़ी केद्रो की दिशा और दशा सुधारने में इनके बहुत अच्छे प्रयास रहे । इसके लिए इन्होंने आंगनबाड़ी केदो में बच्चों में शिक्षा के प्रति भाव पैदा करने के लिए खेलते खेलते शिक्षा और मस्ती की पाठशाला कार्यक्रम की शुरुआत की जिसमें तीन से 6 साल तक के बच्चों को आंगनबाड़ी केदो में शिक्षा उपलब्ध करवाया जाना सुनिश्चित किया। यह कार्यक्रम देखते ही देखते आंगनबाड़ी केदो में काफी लोकप्रिय बन गया और क्षेत्र के 3 से 6 साल तक के बच्चे इन केदो में शिक्षा लेने लगे, यह अपने आप में एक अच्छा प्रयोग था जो ग्रामीण क्षेत्रों में तो निधन गरीब और मजदूर परिवारों के बच्चों के लिए वरदान बन गया जिसमें बहुत कम उम्र में ही बच्चे प्रारंभिक शिक्षा से रूबरू होने लगे ।

जयपुर संभागीय आयुक्त पद पर दफ्तर के बाहर स्थापित बोर्ड को लेकर काफी चर्चित हुए

अक्सर कोई भी अधिकारी हो वह अपने दफ्तर के बाहर बोर्ड पर आमजन के लिए मिलने का समय ज्यादातर शाम के 3:00 से 4:00 का समय सुनिश्चित करके रखते हैं लेकिन समित शर्मा ने हमेशा चाहे कलेक्टर पद पर रहे हो या फिर संभागीय आयुक्त पद पर या फिर अन्य विभागों में हर जगह इन्होंने अपने दफ्तर के बाहर बॉर्डर पर साफ लिखवा देते हैं 'ऑफिस के समय किसी भी समय मुलाकात करें' इसी तरह का बोर्ड इन्होंने जयपुर संभागीय आयुक्त पद पर रहने के दौरान अपने दफ्तर के बाहर स्थापित किया था जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ जिसे लोगों ने खूब अप्रिशिएट किया यानी समित शर्मा ने आमजन के लिए अपने दफ्तर के दरवाजे हमेशा खुले रखे आमजन के लिए उन्होंने कोई भी समय निश्चित नहीं किया बल्कि किसी भी समय लोग आकर उनसे कार्यालय में मिल सकते हैं ।

डिजिटल दौर में पाठकों का सूखता संसार)

डॉ. प्रियंका सौरभ

आज का समय अभिव्यक्ति का समय है। सोशल मीडिया, ब्लॉग, डिजिटल मंच और स्वयं-प्रकाशन के साधनों ने हर व्यक्ति को अपनी बात कहने का अवसर दिया है। यह लोकतांत्रिक दृष्टि से सकारात्मक परिवर्तन है, क्योंकि अब विचार केवल चुनिंदा लोगों तक सीमित नहीं रहे। किंतु इसी परिवर्तन के बीच एक गंभीर प्रश्न भी उभरकर सामने आया है—क्या हम लिखने की अपेक्षा पढ़ने से दूर होते जा रहे हैं? प्रसिद्ध लेखक रस्किन बॉन्ड का यह कथन कि 'भारत पाठकों की अपेक्षा लेखकों की संख्या अधिक होने के संकट में है' केवल एक व्यंग्यात्मक टिप्पणी नहीं, बल्कि हमारे साहित्यिक और सामाजिक परिवेश का सटीक विश्लेषण है।

वास्तव में आज साहित्य के क्षेत्र में रचनाकारों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हर दिन हजारों कविताएँ, लेख, कहानियाँ और विचार सोशल मीडिया पर साझा किए जाते हैं। अनेक लोग स्वयं को कवि, लेखक या विचारक के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन दूसरी ओर गंभीर पाठकों की संख्या लगातार घटती दिखाई देती है। लोग अपनी रचना पर 'वाह-वाह' तो चाहते हैं, पर दूसरों की रचनाओं को पढ़ने, समझने और उस पर विचार करने का धैर्य कम होता जा रहा है। यह स्थिति साहित्य के लिए चिंताजनक है, क्योंकि किसी भी

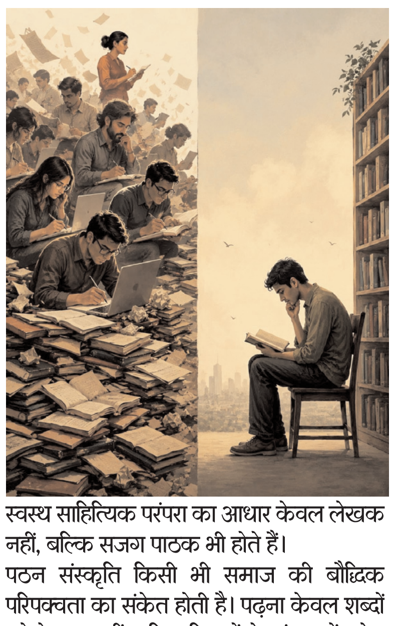

स्वस्थ साहित्यिक परंपरा का आधार केवल लेखक नहीं, बल्कि सजग पाठक भी होते हैं।

पठन संस्कृति किसी भी समाज की बौद्धिक परिपक्वता का संकेत होती है। पढ़ना केवल शब्दों को देखना नहीं, बल्कि विचारों के संसार में प्रवेश करना है। एक अच्छा पाठक अनेक दृष्टिकोणों को समझता है, संवेदनशील बनता है और समाज के प्रति अधिक जागरूक होता है। लेकिन आज मोबाइल स्क्रीन और त्वरित मनोरंजन ने गहन अध्ययन की आदत को कमजोर कर दिया है। लोग छोटी-छोटी पोस्ट, तात्कालिक प्रतिक्रियाएँ और सतही सामग्री पढ़ने तक सीमित हो गए हैं। पुस्तकों के साथ बिताया जाने वाला समय लगातार कम हो रहा है।

डिजिटल युग ने जहाँ अभिव्यक्ति को सरल बनाया, वहीं साहित्य की गंभीरता को भी प्रभावित किया है। पहले लेखक बनने के लिए लंबे अध्ययन, निरंतर अभ्यास और साहित्यिक अनुशासन की आवश्यकता होती थी। लेखक वर्षों तक पढ़ता था, जीवन को समझता था और फिर अपनी अनुभूतियों को शब्द देता था। आज स्थिति कुछ अलग है। सोशल मीडिया पर कुछ पंक्तियाँ लिखकर तुरंत प्रतिक्रिया प्राप्त हो जाती है। लाइक और शेयर की संख्या को ही कई लोग साहित्यिक गुणवत्ता का प्रमाण मान लेते हैं। परिणामस्वरूप लेखन में गहराई की अपेक्षा तात्कालिक लोकप्रियता अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

यह भी सच है कि आज के दौर में पढ़ने की बजाय दिखने की प्रवृत्ति बढ़ी है। लोग पुस्तक पढ़ने से अधिक अपनी पुस्तक प्रकाशित कराने में रुचि लेने लगे हैं। साहित्यिक मंचों पर भी कभी-कभी वास्तविक रचना की अपेक्षा प्रचार और समूहबंदी अधिक दिखाई देती है। ऐसे वातावरण में गंभीर पाठक स्वयं को उपेक्षित महसूस करता है। साहित्य केवल तालियों या प्रशंसाओं का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के विचार और संवेदनाओं का दर्पण होता है। यदि पाठक ही कम हो जाएँ, तो साहित्य का उद्देश्य अधूरा रह जाता है।

भारतीय समाज में पठन संस्कृति के कमजोर होने के कई कारण हैं। शिक्षा प्रणाली भी उनमें से एक है। हमारे विद्यालयों और महाविद्यालयों में पढ़ाई का उद्देश्य अधिकतर परीक्षा तक सीमित हो गया है। विद्यार्थियों को अंक प्राप्त करने की दौड़ में इस प्रकार उलझा दिया जाता है कि वे साहित्य को आनंद या चिंतन के रूप में नहीं, बल्कि बोझ के रूप में देखने लगते हैं। पुस्तकालयों की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। गाँवों और छोटे कस्बों में अच्छी पुस्तकों तक पहुँच आज भी सीमित है। जब समाज में पढ़ने का वातावरण ही कमजोर होगा, तब स्वाभाविक रूप से पाठकों की संख्या घटेगी।

परिवारों की भूमिका भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। पहले घरों में अखबार, पत्रिकाएँ और पुस्तकें पढ़ने की परंपरा होती थी। बच्चे अपने माता-पिता और बुजुर्गों को पढ़ते देखकर प्रेरित होते थे। आज अधिकांश परिवारों में मोबाइल और टेलीविजन ने पुस्तकों की जगह ले ली है। बच्चों को तकनीक तो मिल रही है, लेकिन पुस्तकों के प्रति लगाव कम होता जा रहा है। परिणामस्वरूप नई पीढ़ी में धैर्यपूर्वक पढ़ने की आदत विकसित नहीं हो पा रही। हालाँकि यह कहना भी उचित नहीं होगा कि आज का सारा लेखन निरर्थक है। डिजिटल मंचों ने अनेक नए और प्रतिभाशाली रचनाकारों को अवसर दिए हैं। ऐसे लोग भी सामने आए हैं जिन्हें पारंपरिक प्रकाशन संस्थानों में अवसर नहीं मिल पाता था। समस्या लेखकों की संख्या बढ़ने में नहीं, बल्कि पाठकों की संख्या घटने में है। यदि समाज में पढ़ने की संस्कृति मजबूत हो, तो अधिक लेखक होना साहित्य के लिए शुभ संकेत माना जाएगा। लेकिन जब हर व्यक्ति केवल स्वयं को पढ़वाना चाहता हो और दूसरों को पढ़ने की इच्छा कम हो जाए, तब साहित्यिक संतुलन बिगड़ने लगता है।

साहित्य केवल लिखने से जीवित नहीं रहता। वह पाठकों के मन में जीवित रहता है। प्रेमचंद, महादेवी वर्मा, निराला, हरिवंश राय बच्चन या रस्किन बॉन्ड आज इसलिए प्रासंगिक हैं क्योंकि पीढ़ियाँ उन्हें पढ़ती रही हैं। यदि पाठक न हों, तो श्रेष्ठतम साहित्य भी अलमारियों में बंद होकर रह जाएगा। इसलिए आवश्यक है कि समाज में पठन संस्कृति को पुनर्जीवित किया जाए।

विद्यालयों में पुस्तक पठन को प्रोत्साहन मिलना चाहिए। केवल पाठ्यक्रम तक सीमित रहने के बजाय विद्यार्थियों को कहानी, कविता, जीवनी और विचार साहित्य पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। पुस्तक मेलों, साहित्यिक गोष्ठियों और पुस्तकालयों को अधिक सक्रिय बनाया जाना चाहिए। डिजिटल माध्यमों का उपयोग भी सकारात्मक रूप से किया जा सकता है। यदि सोशल मीडिया पर सतही सामग्री की जगह सार्थक साहित्य को बढ़ावा मिले, तो नई पीढ़ी का रुझान पढ़ने की ओर बढ़ सकता है।

लेखकों की भी एक जिम्मेदारी है। उन्हें केवल लोकप्रियता के पीछे नहीं भागना चाहिए, बल्कि गंभीर अध्ययन और आत्ममंथन को महत्व देना चाहिए। अच्छा लेखक वही बन सकता है जो पहले अच्छा पाठक हो। बिना पढ़े गहराईपूर्ण लेखन संभव नहीं है। साहित्य में स्थायित्व तात्कालिक प्रसिद्धि से नहीं, बल्कि विचारों की प्रामाणिकता और संवेदनशीलता से आता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम 'लिखने' और 'पढ़ने' के बीच संतुलन स्थापित करें। अभिव्यक्ति का अधिकार महत्वपूर्ण है, लेकिन ग्रहण करने की क्षमता भी उतनी ही आवश्यक है। समाज तभी बौद्धिक रूप से समृद्ध बनता है जब उसमें विचारों का आदान-प्रदान हो, संवाद हो और पढ़ने की संस्कृति जीवित रहे।

रस्किन बॉन्ड का कथन हमें आत्मचिंतन का अवसर देता है। यह केवल साहित्यकारों के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी है। यदि हम पुस्तकों से दूर होते गए और केवल त्वरित प्रतिक्रियाओं तक सीमित रह गए, तो हमारी संवेदनाएँ और विचार दोनों कमजोर पड़ जाएँगे। इसलिए समय की मांग है कि हम फिर से पुस्तकों की ओर लौटें, पढ़ने को आदत नहीं बल्कि संस्कृति बनाएँ और यह समझें कि एक अच्छा समाज केवल अच्छे लेखकों से नहीं, बल्कि अच्छे पाठकों से भी बनता है।

(डॉ. सत्यवान सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), एक कवि और सामाजिक विचारक है।)

काला सोना या हरा भविष्य? सिंगरौली अब दोनों का मेल सिखाएगा

ऊर्जा और विकास की जटिल धारा में बहता सिंगरौली आज फिर सुर्खियों के शिखर पर है। यह वही क्षेत्र है जहाँ कोयले की परतों के नीचे आर्थिक आकांक्षाएँ और पर्यावरणीय प्रश्न साथ-साथ सांस लेते हैं। 21 मई 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने अजय दुबे की याचिका विलंब के आधार पर खारिज की, जिसमें अडानी समूह की महान एनर्जन लिमिटेड (धीरौली कोल ब्लॉक) की वन/पर्यावरण मंजूरी को चुनौती दी गई थी। यह आदेश केवल न्यायिक प्रक्रिया की औपचारिकता नहीं, बल्कि विकास की रफ्तार और नीति-स्थिरता को नई दिशा देने वाला संकेत भी है। कोयला उत्पादन के लिए प्रसिद्ध यह इलाका अब एक बार फिर राष्ट्रीय ऊर्जा विमर्श के केंद्र में मजबूती से उभर आया है, जहाँ भविष्य की राह अब अधिक स्पष्ट दिखाई देने लगी है।

कानूनी अनिश्चितता की परत हटते ही परियोजना के लिए स्थिरता का नया आधार तैयार हो गया है, जो बड़े निवेश और खनन गतिविधियों को गति देता है। सुप्रीम कोर्ट ने समयबद्ध न्याय व्यवस्था का महत्व स्पष्ट करते हुए कहा कि देरी से दाखिल याचिकाएँ विकास की प्रक्रिया को बाधित नहीं कर सकतीं। इसी संदर्भ में सिंगरौली की यह परियोजना राष्ट्रीय ऊर्जा ढांचे में एक मजबूत कड़ी बनती दिखाई दे रही है। बढ़ती ऊर्जा जरूरतों के बीच यह निर्णय वर्तमान मांगों को संभालते हुए भविष्य की दिशा भी निर्धारित करता है। यह फैसला न्याय और विकास के बीच संतुलन का सशक्त उदाहरण है।

ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में यह परियोजना एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। धीरौली कोल ब्लॉक की अधिकतम उत्पादन क्षमता 6.5 मिलियन टन प्रति वर्ष (6.5 एमटीपीए) निर्धारित है, जिसमें मुख्य रूप से ओपन-कास्ट खनन शामिल है। इस कोयला उत्पादन से अडानी पावर की बिजली उत्पादन श्रृंखला मजबूत होने की उम्मीद है। तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और ऊर्जा की बढ़ती मांग को देखते हुए यह परियोजना बिजली आपूर्ति को स्थिर बनाए रखने, उत्पादन लागत को नियंत्रित करने और औद्योगिक विकास को गति देने में सहायक सिद्ध हो सकती है। आधुनिक खनन प्रौद्योगिकी के उपयोग से न केवल उत्पादकता बढ़ेगी बल्कि ऊर्जा क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता को भी मजबूती मिलेगी।

इस परियोजना से मध्य प्रदेश में आर्थिक संभावनाओं का विस्तार होने की संभावना है। स्थानीय स्तर पर हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'
शिक्षाविद् बड़वानी (मप्र)

रोजगार सृजित होंगे, जिससे सिंगरौली और आसपास के क्षेत्रों में बेरोजगारी दर कम करने में मदद मिलेगी। छोटे-मध्यम उद्योगों, ट्रांसपोर्ट, होटल, दुकानों और सेवा क्षेत्र को नई गति मिलने की उम्मीद है। राज्य सरकार को रॉयल्टी, टैक्स और अन्य मदों से पर्याप्त राजस्व प्राप्त होगा। साथ ही सड़क, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं के विकास को भी गति मिलेगी।

विकास की दौड़ जितनी तेज हो रही है, पर्यावरणीय चेतावनी उतनी ही स्पष्ट और गंभीर स्वर में सामने खड़ी है। सिंगरौली की धरती पहले से ही कोयला खनन के दबाव तले संतुलन बनाए रखने की कोशिश करती रही है। वन भूमि का घटता दायरा, वृक्षों की कटाई और जैव विविधता पर बढ़ता संकट अब अनदेखा नहीं किया जा सकता। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि आधुनिक तकनीकों जैसे धूल नियंत्रण प्रणाली, जल पुनर्चक्रण और उन्नत प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों का प्रभावी उपयोग किया जाए, तो पर्यावरणीय क्षति को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके साथ ही अनिवार्य वनरोपण, मिट्टी संरक्षण और जल स्रोतों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना आवश्यक है।

किसी भी बड़े विकास की असली कसौटी उसकी सामाजिक स्वीकार्यता और स्थानीय भागीदारी होती है। यह परियोजना भी केवल आर्थिक या तकनीकी सफलता पर नहीं, बल्कि समुदायों के समावेशन पर निर्भर करेगी। प्रभावित क्षेत्रों के हजारों परिवारों के लिए पुनर्वास और उचित मुआवजा जरूरी है। वन अधिकार अधिनियम के तहत सभी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए उनकी आजीविका की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। कौशल विकास के जरिए स्थानीय युवाओं को रोजगार के लिए तैयार करना और उन्हें प्राथमिकता देना भी आवश्यक है। जब समुदाय विकास का हिस्सा बनेगा, तभी यह परियोजना वास्तव में टिकाऊ और स्वीकार्य होगी। न्यायिक निर्णयों की दिशा में यह फैसला एक स्पष्ट संदेश छोड़ता है कि प्रक्रिया में अनावश्यक देरी विकास की गति को रोक नहीं सकती। याचिका को विलंब के आधार पर खारिज करना इस बात का संकेत है कि बड़े प्रोजेक्ट लंबे कानूनी ठहराव में नहीं फंसाए जा सकते। यह निर्णय आने वाली परियोजनाओं के लिए एक मजबूत मार्गदर्शक बनकर उभर रहा है। साथ ही यह भी अपेक्षित है कि विकास कार्य पर्यावरणीय मानकों और सामाजिक दायित्वों का सख्ती से पालन करें। कानून का वास्तविक उद्देश्य अनुमति के साथ-साथ संतुलन स्थापित करना भी है।

सतत विकास आज विकास की दिशा तय करने वाला सबसे निर्णायक सिद्धांत बन चुका है। कोयला आधारित ऊर्जा पर निर्भरता को धीरे-धीरे घटाकर सौर, पवन और हाइड्रोजन जैसी स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ना अब अनिवार्य हो गया है। यदि इस परियोजना में स्वच्छ खनन तकनीक, हरित ऊर्जा एकीकरण और सतत पर्यावरण निगरानी को प्रभावी रूप से लागू किया जाए, तो यह संतुलित विकास का मजबूत उदाहरण बन सकती है। सरकार, उद्योग और प्रशासन के समन्वित प्रयासों से मजबूत निगरानी तंत्र विकसित करना आवश्यक है, ताकि विकास और पर्यावरण के बीच वास्तविक संतुलन बना रहे।

भविष्य की ऊर्जा तस्वीर अब इसी निर्णय और उसके क्रियान्वयन की दिशा से तय होगी। असली चुनौती यही है कि इस परियोजना को केवल आर्थिक उपलब्धि न बनाकर पर्यावरणीय जिम्मेदारी और सामाजिक न्याय के संतुलन में ढाला जाए। सिंगरौली यदि विकास और संरक्षण के बीच सही सामंजस्य स्थापित कर पाता है, तो यह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मजबूत उदाहरण बन सकता है। सच्चा विकास वही है जिसमें प्रकृति, समाज और भविष्य–तीनों साथ-साथ सुरक्षित, संतुलित, जिम्मेदार, समावेशी, टिकाऊ और सतत रूप से आगे बढ़ें।

वैचारिकता से उत्सर्जित आत्मगौरव और स्वाभिमान चिंतन से अवलोकित आत्मप्रकाश

मनुष्य के जीवन में अध्ययन जितना आवश्यक है, उतना ही आवश्यक मनन और चिंतन भी है। केवल पुस्तक पढ़ लेना ही मानवीय उद्देश्य की पूर्णता नहीं है, बल्कि उससे प्राप्त ज्ञानामृत का आत्मसात करना,

संजीव ठाकुर,वरिष्ठ पत्रकार, स्तंभकार, चिंतक, लेखक, रायपुर छत्तीसगढ़

उसका मनन करना और जीवन में उतारना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। किसी भी पुस्तक का अध्ययन, उस पर गंभीर चिंतन और उसके संदेशों का अनुसरण मनुष्य के संस्कारों को परिष्कृत करता है तथा उसे उच्च आदर्शों की ओर अग्रसर करता है। इसलिए आवश्यक है कि मनुष्य केवल ज्ञानवर्धक पुस्तकों का अध्ययन ही न करे, बल्कि उनके विचारों पर निरंतर मनन भी करे, तभी जीवन के उद्देश्य सार्थक हो सकते है महात्मा गांधी जी ने कहा था 'पुराने वस्त्र पहनिए, पर नई पुस्तकें खरीदिए।' उन्होंने पुस्तकों को रत्नों से भी अधिक मूल्यवान बताया, क्योंकि पुस्तकें अंतःकरण को प्रकाशित करती हैं। वास्तव में पुस्तकें केवल अक्षरों का संग्रह नहीं होतीं, वे अनुभव, संस्कार और सत्य का जीवंत भंडार होती हैं। जो व्यक्ति पुस्तकों से दूर रहता है, वह जीवन की अनेक सच्चाइयों से अनभिज्ञ रह जाता है। पुस्तकें मनुष्य को संघर्ष करना सिखाती हैं, कठिन परिस्थितियों में धैर्य देती हैं तथा जीवन का मार्गदर्शन करती हैं।

पूर्व राष्ट्रपति एपीजे कलाम साहब ने कहा था कि 'एक अच्छी पुस्तक सौ मित्रों के बराबर होती है और एक अच्छा मित्र एक पुस्तकालय के समान।' वहीं शिक्षाविद चार्ल्स इलियट के अनुसार पुस्तकें सबसे शांत, स्थिर और धैर्यवान मित्र होती हैं। निस्संदेह, पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, नैतिक तथा राजनीतिक विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

प्राचीन काल से ही बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास के लिए श्रेष्ठ साहित्य की रचना की जाती रही है। पंचतंत्र तथा हितोपदेश इसके उत्कृष्ट उदाहरण हैं। इन ग्रंथों में नीति, व्यवहार, शिक्षा और जीवनोपयोगी ज्ञान को सरल कथाओं के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। यही साहित्य भारतीय संस्कृति और सभ्यता के संरक्षण एवं प्रसार का आधार बना। पुस्तकों ने ही समाज को दिशा दी, संस्कृति को जीवित रखा और ज्ञान का विस्तार किया।

इतिहास, धर्म, राजनीति और संस्कृति से संबंधित पुस्तकें व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास में अत्यंत सहायक होती हैं। वे हमें अतीत की घटनाओं, महान व्यक्तित्वों और सामाजिक मूल्यों से परिचित कराती हैं। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन कहा था कि 'पुस्तकें वह साधन हैं जिनके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृतियों के बीच सेतु का निर्माण कर सकते हैं।' वास्तव में पुस्तकें समाज को जोड़ने, विचारों को परिष्कृत करने और मानवीय चेतना को जागृत करने का कार्य करती हैं।

वर्तमान समय डिजिटल युग का युग है। अब इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों ने प्रिंट मीडिया के साथ-साथ अध्ययन की परंपराओं को भी प्रभावित किया है। एक समय था जब बच्चे चंदामामा, नंदन और बालभारती जैसी पत्रिकाओं से ज्ञान और मनोरंजन प्राप्त करते थे, किंतु आज इंटरनेट और डिजिटल लाइब्रेरी ने अध्ययन को नई दिशा दी है। ई-पुस्तकें तथा ऑनलाइन पुस्तकालयों ने देश-विदेश में बैठे पाठकों के लिए ज्ञान के द्वार खोल दिए हैं। भारत सरकार तथा विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा ई-शिक्षा और डिजिटल पुस्तकालयों के माध्यम से अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे बच्चों की जिज्ञासाओं को शांत करने में सहायता मिल रही है।

हालांकि डिजिटल माध्यमों के अनेक लाभ हैं, परंतु इसके दुष्परिणाम भी सामने आ रहे हैं। उचित मार्गदर्शन के अभाव में बच्चे और युवा भ्रामक तथा दिग्भ्रमित करने वाले साहित्य की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जिससे उनकी मानसिकता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए अभिभावकों और शिक्षकों का यह दायित्व बनता है कि वे बच्चों को उत्तम साहित्य पढ़ने के लिए प्रेरित करें तथा उनकी अध्ययन दिशा पर ध्यान दें।

अंततः कहा जा सकता है कि पुस्तकें केवल ज्ञान का स्रोत नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, वैचारिक विकास और राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम हैं। पठन के साथ चिंतन का समन्वय ही व्यक्ति को श्रेष्ठ बनाता है। पुस्तकें मनुष्य को संस्कारित करती हैं, समाज को दिशा देती हैं और राष्ट्र को सशक्त बनाती हैं। यदि युवा पीढ़ी अध्ययन के साथ मनन और चिंतन की परंपरा को अपनाए, तो एक सुसंस्कृत, जागरूक और शक्तिशाली राष्ट्र का निर्माण निश्चित रूप से संभव है।

सह-अस्तित्व की तलाशः अदालती आदेशों और जमीनी हकीकत के बीच आखिर कैसे रेबीज-मुक्त और सुरक्षित बनेंगे हमारे शहर ?

हाल ही में हमारे देश के सर्वोच्च न्यायालय ने आवारा और खूंखार कुत्तों की बढ़ती समस्या पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए यह बात कही है कि मानव जीवन और सार्वजनिक सुरक्षा सर्वोपरि है।यहां यह बात बिल्कुल सही है कि सदियों सदियों से मनुष्य का सबसे वफादार जानवर सामान्यतः कुत्ते को माना जाता रहा है।न जाने कितनी सदियों से कुत्ता मनुष्य का साथी, रक्षक और सहायक रहा है। यही कारण है कि उसे मनुष्य का सबसे अच्छा मित्र कहा जाता रहा है।हमारी सनातन भारतीय संस्कृति में भी कुत्ते को केवल और केवल एक पशु के रूप में नहीं, बल्कि निष्ठा, सुरक्षा और सतर्कता के प्रतीक के रूप में देखा गया है। यहां तक कि हमारे देश के प्राचीन ग्रंथों, विभिन्न लोककथाओं और धार्मिक मान्यताओं में तक कुत्ते का उल्लेख अनेक रूपों में मिलता है।पाठक जानते होंगे कि महाभारत में एक अत्यंत प्रसिद्ध प्रसंग है, जब पांडवों में सबसे बड़े युधिष्ठिर स्वर्ग की यात्रा पर जाते समय अपने साथ चल रहे कुत्ते को छोड़ने से मना कर देते हैं। अंत में वही कुत्ता धर्मराज का रूप धारण करता है। महाभारत की यह कथा वफादारी, करुणा और धर्मपालन का संदेश देती है।इतना ही नहीं, भारतीय परंपरा में भैरव के वाहन के रूप में भी कुत्ते का उल्लेख मिलता है। कई स्थानों पर काल भैरव मंदिरों में कुत्तों को भोजन कराना शुभ माना जाता है। भारतीय संस्कृति में भैरव के वाहन के रूप में भी कुत्ते का उल्लेख मिलता है। इसलिए कई लोग भैरव उपासना के साथ कुत्तों की सेवा को पुण्य का कार्य मानते हैं।और तो और भारतीय ज्योतिष और धार्मिक मान्यताओं में शनि देव तथा कुत्ता का विशेष संबंध माना जाता है। हमारे यहां यह मान्यता है कि काले कुत्ते को भोजन कराना, उसकी सेवा करना या उसे रोटी खिलाना शनि दोष को शांत करने में सहायक होता है। विशेष रूप से शनिवार के दिन कुत्ते को तेल लगी रोटी, दूध या भोजन देने की परंपरा कई स्थानों पर प्रचलित है। ज्योतिष शास्त्र में कुत्ते को राहु-केतु और शनि से भी जोड़ा जाता है। ऐसा माना जाता है कि कुत्तों के प्रति दया और सेवा भाव रखने से नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं तथा जीवन में बाधाएं घटती हैं। हालांकि, ये धार्मिक और लोकमान्यताएं हैं, जिनका आधार आस्था और परंपरा है। कहना ग़लत नहीं होगा कि भारतीय संस्कृति में यह भावना केवल ज्योतिष तक सीमित नहीं, बल्कि जीवों के प्रति करुणा और सह-अस्तित्व की सीख भी देती है। ग्रामीण भारत में आज भी कुत्ते को घर और पशुधन का रक्षक माना जाता है। सामान्य लोकजीवन में भी कुत्ते को लेकर दो प्रकार की छवियां दिखाई देती हैं। एक ओर उसकी वफादारी और सजगता की प्रशंसा की जाती है, वहीं दूसरी ओर कुछ मुहावरों और कहावतों में उसे नकारात्मक रूप में भी प्रस्तुत किया गया है। वास्तव में, यह भारतीय समाज की विविध मानसिकताओं को दर्शाता है। आधुनिक समय में तो सुरक्षा, पुलिस सेवा, सेना और आपदा राहत कार्यों में प्रशिक्षित कुत्तों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। सच तो यह है कि पुलिस, सेना और बचाव कार्यों में भी कुत्तों का उपयोग उनकी निष्ठा, सूंघने की क्षमता और प्रशिक्षण ग्रहण करने की योग्यता के कारण किया जाता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि भारतीय समाज में कुत्ता केवल पालतू जानवर नहीं, बल्कि मनुष्य का विश्वसनीय साथी और सहायक भी है। हमारे यहां कुत्ते की वफादारी के अनेक उदाहरण मिलते हैं।वह अपने मालिक की रक्षा के लिए अपनी जान तक जोखिम में डाल देता है, घर की चोरों से रखवाली करता है, संकट आने पर चेतावनी देता है और भावनात्मक रूप से भी मनुष्य से गहरा जुड़ाव बना लेता है। हालांकि, यह बात अलग है कि वफादारी केवल कुत्तों तक सीमित नहीं है। घोड़ा, हाथी और कुछ अन्य जानवर भी अपने मालिक या समूह के प्रति अत्यंत निष्ठावान माने जाते हैं। फिर भी आम धारणा और अनुभव के आधार पर कुत्ता सबसे वफादार जानवर माना जाता है।

बहरहाल, माननीय अदालत(सुप्रीम कोर्ट) ने यह स्पष्ट किया कि हर आवारा कुत्ता खतरनाक नहीं होता, इसलिए कुत्तों की बड़े पैमाने पर या अंधाधुंध हत्या किसी भी सभ्य समाज का समाधान नहीं हो सकती है, लेकिन यदि कोई कुत्ता रेबीज से संक्रमित हो, और लगातार लोगों पर हमला कर रहा हो अथवा बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए गंभीर खतरा बन चुका हो, तो कानून के अनुसार नियंत्रित यूथेनेशिया अर्थात इच्छामृत्यु जैसे कदम उठाए जा सकते हैं। दरअसल भारत में यह समस्या केवल पशु-कल्याण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य, शहरी अव्यवस्था और प्रशासनिक विफलता का बड़ा प्रश्न बन चुकी है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के समय में बड़े बड़े शहरों और अनेक कस्बों में खुले कचरे के ढेर, अधूरे नसबंदी अभियान, अपर्याप्त टीकाकरण और कुत्तों के लिए शेल्टरों(आश्रय स्थलों) की भारी कमी ने आवारा कुत्तों की संख्या को तेजी से बढ़ाया है। परिणामस्वरूप डॉग-बाइट, रेबीज संक्रमण और बच्चों पर हमलों की घटनाओं ने आम नागरिकों में भय और असुरक्षा का वातावरण पैदा कर दिया है। हाल फिलहाल,यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि दुनिया के कई देशों ने इस चुनौती(कुत्तों की समस्या) से निपटने के लिए कठोर लेकिन संतुलित व्यवस्थाएं विकसित की हैं। इस संदर्भ में नींदरलैंड को दुनिया के सबसे सफल उदाहरणों में गिना जाता है। जानकारी मिलती है कि वहां सरकार ने समय-समय पर बड़े पैमाने पर कुत्तों की नसबंदी के अभियान चलाए हैं।नींदरलैंड में पालतू कुत्तों का अनिवार्य पंजीकरण किया गया है और पशुओं को सड़क पर छोड़ने वालों पर भारी आर्थिक दंड भी लगाए गए हैं। जानकारी के अनुसार वहां प्रत्येक पालतू कुत्ते का रिकॉर्ड रखा जाता है, इसलिए आवारा कुत्तों की समस्या लगभग समाप्त हो चुकी है। इसी प्रकार से यूनाइटेड किंगडम में स्थानीय परिषदों के अधीन एनीमल कंट्रोल सिस्टम कार्य करता है। वहां पर आवारा कुत्तों को पकड़कर शेल्टरों में रखा जाता है। इतना ही नहीं, उनके(कुत्तों के) मालिकों की पहचान माइक्रोचिप से की जाती है और यदि कोई कुत्ता अत्यधिक हिंसक या लाइलाज बीमारी से पीड़ित हो, तभी यूथेनेशिया (इच्छा मृत्यु) की अनुमति दी जाती है। यूनाइटेड स्टेट्स में भी लाइसेंसिंग, रेबीज टीकाकरण और माइक्रोचिप व्यवस्था अत्यंत सख्त है। वहां एनीमल शेल्टर्स तथा डॉग पाउंड्स का बड़ा नेटवर्क है, जहां आवारा कुत्तों की देखभाल की जाती है। बार-बार हिंसक व्यवहार करने वाले कुत्तों के लिए विशेषज्ञों की निगरानी में अलग प्रबंधन होता है।इसी प्रकार से जापान में भी पालतू पशुओं के प्रति अनुशासन इतना कठोर है कि किसी कुत्ते को सड़क पर छोड़ देना सामाजिक अपराध माना जाता है। वहीं टर्की ने सामुदायिक देखभाल मॉडल को अपनाया है, जहां कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण के बाद उन्हें चिह्नित कर वापस छोड़ा जाता है, हालांकि वहां भी बढ़ती संख्या को लेकर बहस जारी है।

यहां पर यह कहना ग़लत नहीं होगा कि हमारे देश भारत में आवारा कुत्तों की समस्या इस समय एक बेहद संवेदनशील और जटिल मोड़ पर है। एक तरफ नागरिकों की सुरक्षा और मानवाधिकार (विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा) हैं, तो दूसरी तरफ पशु कल्याण और जीव दया। हाल ही में,?सुप्रीम कोर्ट ने मई 2026 में इस पर बेहद कड़ा रुख अपनाते हुए साफ कर दिया है कि संविधान का अनुच्छेद 21 नागरिकों को बिना किसी डर के सार्वजनिक स्थानों पर घूमने का अधिकार देता है। कोर्ट ने स्थानीय प्रशासन की सुस्ती पर नाराजगी जताई और कुछ बेहद महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। यहां पाठकों को बताता चलूं कि माननीय सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर 2025 में भी कुत्तों को लेकर कड़े दिशा-निर्देश जारी किए थे। उस समय कोर्ट ने स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, खेल परिसर, रेलवे स्टेशन, बस डिपो और एयरपोर्ट जैसे हाई-फुटफॉल (अत्यधिक भीड़भाड़ वाले) जैसे सार्वजनिक क्षेत्रों से आवारा कुत्तों को तुरंत हटाने के आदेश दिए थे। कोर्ट ने साफतौर पर कहा था कि इन चुनिंदा सार्वजनिक/संस्थानिक जगहों से पकड़े गए कुत्तों को नसबंदी या टीकाकरण के बाद वापस उसी जगह नहीं छोड़ा जाएगा, बल्कि उन्हें 'डेजिग्नेटेड शेल्टर्स' (निर्धारित आश्रय स्थलों) में रखा जाएगा। अब कोर्ट ने अपने नवंबर 2025 के आदेश को बरकरार रखते हुए और कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं और यह बात कही है कि यदि कोई कुत्ता 'रेबीज' से पीड़ित है, लाइलाज है, या प्रमाणित तौर पर बेहद आक्रामक/खतरनाक है, तो पशु चिकित्सकों की जांच के बाद उसे कानूनी रूप से इच्छामृत्यु(यूथेनेशिया)दी जा सकती है। इतना ही नहीं,देश के सभी हाई कोर्ट्स को आदेश दिया गया है कि वे अपने राज्यों में इन नियमों के पालन की खुद निगरानी करें। साथ ही साथ,लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर अवमानना की कार्रवाई किए जाने की बात कही है। अब यहां प्रश्न यह उठता है कि इस समस्या का व्यावहारिक समाधान कैसे हो सकता है ? तो इसका सीधा सा और सटीक उत्तर यह है कि हमारे देश में आवारा कुत्तों की समस्या के व्यावहारिक समाधान के लिए 'इंसान बनाम जानवर' के दृष्टिकोण को बदलकर एक वैज्ञानिक और संतुलित रणनीति अपनानी होगी। कहना ग़लत नहीं होगा कि इसके तहत सबसे पहला कदम सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट (कचरा प्रबंधन) को दुरुस्त करना है, क्योंकि सड़कों पर खुले में फेंका गया मांस और जूठा भोजन ही कुत्तों की आबादी और उनकी आक्रामकता को बढ़ाता है।यदि भोजन के यह स्रोत बंद हो जाएं, तो उनकी संख्या स्वाभाविक रूप से नियंत्रित होने लगेगी। इसके साथ ही, स्थानीय नगर निकायों को केवल कागजों पर नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर एनीमल बर्थ कंट्रोल(एबीसी) नियमों को कड़ाई से लागू करना होगा,जिसके तहत हर वार्ड में बड़े पैमाने पर वैज्ञानिक नसबंदी और रेबीज-मुक्त टीकाकरण अभियान चलाये जाने की आवश्यकता महत्ती है। नियमों को लागू करने से ही बात नहीं बनेगी, स्थानीय नगर निकायों को इसकी अनुपालना सुनिश्चित करवानी होगी। इतना ही नहीं,प्रशासनिक स्तर के साथ-साथ सामाजिक स्तर पर भी बदलाव की आवश्यकता है?। आवासीय या रिहायशी इलाकों में 'डेजिग्नेटेड फीडिंग ज़ोन' (निर्धारित भोजन स्थल) तय करने की आवश्यकता है, ताकि आम नागरिकों (विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों) की सुरक्षा से समझौता किए बिना कुत्तों को भोजन मिल सके, जैसा कि भूखे कुत्ते अधिक हिंसक होते हैं। माननीय सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्देशों के अनुसार, स्कूलों, अस्पतालों और रेलवे स्टेशनों जैसे अत्यधिक भीड़भाड़ वाले संवेदनशील सार्वजनिक स्थानों से कुत्तों को हटाकर सरकार और एनजीओ (गैर-सरकारी संस्थाओं) के सहयोग से बने सर्वसुविधायुक्त शेल्टर होम्स में स्थानांतरित किये जाने की आवश्यकता है। इसके अलावा, विदेशी नस्लों को खरीदने के बजाय स्थानीय 'इंडी' कुत्तों को गोद लेने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देकर और सोसायटियों द्वारा उन्हें 'कम्युनिटी पेट' के रूप में अपनाने से समाज में इस टकराव को हमेशा के लिए कम किया जा सकता है। इसके साथ ही समय-समय पर सार्वभौमिक एंटी-रेबीज टीकाकरण अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि भारत आज भी विश्व में रेबीज से सबसे अधिक प्रभावित देशों में गिना जाता है।साथ ही पालतू पशु रखने वालों के लिए अनिवार्य पंजीकरण, माइक्रोचिप और जिम्मेदारी तय करने वाले कानूनों को सख्ती से लागू करना होगा।

असल में यह मुद्दा 'मनुष्य बनाम पशु' का नहीं, बल्कि संतुलन और संवेदनशीलता का है। मानव जीवन की सुरक्षा सर्वोच्च है, लेकिन पशुओं के प्रति करुणा भी सभ्य समाज(विशेषकर भारतीय संस्कृति के संदर्भ में) की पहचान मानी जाती है। इसलिए आवश्यकता न तो अंधी हिंसा की है और न ही अव्यावहारिक भावुकता की, बल्कि ऐसी व्यावहारिक नीति की है, जिसमें वैज्ञानिक प्रबंधन, कठोर प्रशासन और मानवीय दृष्टिकोण तीनों का समन्वय हो। माननीय सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी भी मूलतः इसी संतुलन की ओर संकेत करती है कि सड़कों पर भय और अव्यवस्था नहीं, बल्कि सुरक्षित और व्यवस्थित सह-अस्तित्व स्थापित होना चाहिए।

सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार

गांधी चौक में मधुमक्खियों के छातें से खतरा

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। निवर्तमान पार्षद एडवोकेट सलीम खान ने उपखंड अधिकारी ओमप्रकाश वर्मा को एक ज्ञापन सौंपकर सुजानगढ़ शहर में मधुमक्खियों के छाते हटाये जाने की मांग की है। ज्ञापन में सलीम खान ने बताया है कि शहर के गांधी चौक, उपखंड कार्यालय और बाजारों में व्यावसायिक कॉम्पलेक्स के भवनों पर मधुमक्खियों के छाते है, जिन पर हजारों मधुमक्खियां हर वक्त रहती हैं। ऐसे में किसी बड़े हादसे की आशंका हर वक्त बनी रहती है। गांधी बालिका स्कूल में छात्राएं पढ़ती हैं, जिनको भी इससे खतरा है। अतः इस समस्या का अतिशीघ्र निवारण किया जाए।

सीबीईओ कार्यालय मण्डावा में प्रशासनिक अधिकारी महेश खीचड़ने किया कार्यग्रहण

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। सीबीईओ कार्यालय मण्डावा में शुक्रवार को प्रशासनिक अधिकारी महेश खीचड़ ने पदोन्नति पर कार्यग्रहण किया। डीईओ माध्यमिक राजेश मील और सीबीईओ मण्डावा पवन कुमार ने साफा ओढ़ाकर और माला पहनाकर स्वागत किया। और संस्थापन अधिकारी रमेश खीचड़ओर विक्रम सिंह ने विधिवत कार्यग्रहण करवाया। इस अवसर पर प्रिंसिपल प्रमोद आबूसरिया, दिनेश खीचड़ राजेश रणवा, जयराम जाखड़, राधेश्याम सुमन, जवाहर काला, सुशील कुमार, संदर्भ व्यक्ति लोकेश धायल, उत्तम दाधीच एएओ संजीव जांगिड़, लेखाकार शीतल शर्मा, एमआईएस कृष्ण तेतरा, आलोक कौशिक, खेमचंद व. अ. व जिला मुख्यालय के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

पांच दिन तक पहचान नहीं होने पर अज्ञात व्यक्ति को पहुंचाया अपना घर आश्रम

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय रेलवे स्टेशन के सामने बेसुध अवस्था में मिले एक अज्ञात व्यक्ति को पांच दिन तक पहचान नहीं होने पर अपना घर आश्रम रतनगढ़ पहुंचाया गया। टीम हारे का सहारा के संयोजक श्याम स्वर्णकार ने बताया कि 17 मई को उक्त व्यक्ति रेलवे स्टेशन के सामने बेसुध हालत में मिला था। अस्पताल स्टाफ, पुलिस और टीम के प्रयासों के बावजूद उसकी पहचान नहीं हो सकी। इसके बाद एम्बुलेंस चालक विनोद सैन के सहयोग से उसे अपना घर आश्रम रतनगढ़ भेजा गया। आश्रम में अज्ञात व्यक्ति को संचालक डॉ. विजय गोयल एवं कुलदीप व्यास को सुपुर्द किया गया। डॉ. विजय गोयल ने बताया कि अपना घर आश्रम में ऐसे असहाय लोगों को 'प्रभुजी' नाम देकर उनकी सेवा और देखभाल की जाती है।

ऋषिकुल ब्रह्मचर्य आश्रम में 85 से अधिक बटुकों को करवाया अल्पाहार

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के प्रमुख शिक्षाविद पंडित सांवलराम मिश्रा की पावन स्मृति में मारुति कुमार मिश्रा परिवार की ओर से ऋषिकुल ब्रह्मचर्य आश्रम में 85 से अधिक बटुकों को अल्पाहार करवाकर पुन्य का कार्य किया। इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन तहसील अध्यक्ष वैद्य महेंद्र शर्मा, खण्ड महामंत्री राजकुमार गौड़, युवा प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष सुनील मिश्र, सामाजिक कार्यकर्ता व ऋषिकुल के संयुक्त मंत्री मदनलाल बबेरवाल रामस्वरूप झिंगनाडिया सहित सभी आचार्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन के तहसील अध्यक्ष वैद्य महेंद्र शर्मा ने नन्हे मुन्ने बटुकों को आने वाले कल का कर्णधार बताया व कहा कि इन बटुकों के द्वारा ही हमारे धर्म, सनातन और संस्कृति की रक्षा होगी। इनकी सार संभाल ही हमारा सच्चा धर्म है। इस अवसर पर मदनलाल बबेरवाल ने मिश्र परिवार को ऋषिकुल की भांति सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाने पर आभार व्यक्त किया।

राज्यपाल बागडे ने किया 'पंचम वेद-नाट्यशास्त्र पर एकाग्र' ग्रंथ का लोकार्पण

भारतीय ज्ञान परंपरा की पहल को सराहा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शुक्रवार को लोकभवन में उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, पटियाला द्वारा प्रकाशित महत्वपूर्ण ग्रंथ 'नाट्यशास्त्र : पंचम वेद पर एकाग्र' का लोकार्पण किया। भारतीय कला, संस्कृति और नाट्य परंपरा पर केंद्रित इस विशेष ग्रंथ का संपादन साहित्य अकादेमी के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित कला मर्मज्ञ डॉ. राजेश कुमार व्यास ने किया है। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख विशेषाधिकारी राजकुमार सागर भी उपस्थित रहे।

राज्यपाल बागडे ने भारतीय ज्ञान परंपरा के आलोक में किए गए इस महत्वपूर्ण प्रकाशन की सराहना करते हुए कहा कि यह ग्रंथ नाट्यशास्त्र को समझने की नई और मौलिक दृष्टि प्रदान करेगा। उन्होंने ग्रंथ के संपादक डॉ. राजेश कुमार व्यास को बधाई देते हुए कहा कि भारतीय कला और संस्कृति को समझने में इस प्रकार के गंभीर और शोधपरक प्रकाशनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। राज्यपाल ने भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, पटियाला के निदेशक फुरकान खान द्वारा इस ग्रंथ के प्रकाशन के लिए की गई पहल की भी प्रशंसा की।

यूनेस्को में शामिल हो चुका है नाट्यशास्त्रः

नाट्यशास्त्र को अप्रैल 2025 में यूनेस्को के प्रतिष्ठित 'मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड' रजिस्टर में शामिल किया गया था। भारतीय परंपरा में इसे 'पंचम वेद' कहा जाता है। 37 अध्यायों वाले इस ग्रंथ में रस, संगीत, नृत्य, अभिनय, रंगमंच, वेशभूषा और भारतीय कलाओं से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण सूत्रों का विस्तृत वर्णन है। इसमें ऋग्वेद से पाठ्य, सामवेद से गीत, यजुर्वेद से अभिनय और अथर्ववेद से रस ग्रहण कर भारतीय कला की अद्भुत संरचना प्रस्तुत की गई है। ग्रंथ की भूमिका में डॉ. राजेश कुमार व्यास ने लिखा है कि अभिनव गुप्त की नाट्यशास्त्र टीका भारतीय कलाओं को समझने की महत्वपूर्ण दृष्टि प्रदान करती है तथा नाट्यशास्त्र भारतीय प्रदर्शन कलाओं का आधार-ग्रंथ है। उन्होंने कहा कि भारतीय कलाओं की आंतरिक चेतना और सांस्कृतिक गहराई को इस ग्रंथ के माध्यम से समझा जा सकता है।

देश-विदेश के विद्वानों ने दी मौलिक व्याख्याः

इस पुस्तक में देश-विदेश के प्रतिष्ठित विद्वानों और कला मर्मज्ञों के लेख शामिल किए गए हैं। इनमें संस्कृत विद्वान डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अर्जुन देव चारण, नाट्य निदेशक पीयाल भट्टाचार्य, पद्मश्री कथक गुरु पुरु दाधीच, वरिष्ठ पत्रकार ज्ञानेश उपाध्याय, कला मर्मज्ञ नर्मदा प्रसाद उपाध्याय, कथक गुरु प्रेरणा श्रीमाली, संगीतज्ञ सुनीरा कासलीवाल, अभिनेता एवं नाट्य निर्देशक कनु पटेल सहित कई विशेषज्ञों ने नाट्यशास्त्र के विविध आयामों पर अपनी मौलिक दृष्टि प्रस्तुत की है। पुस्तक में हजारी प्रसाद द्विवेदी और नामवर सिंह के दुर्लभ लेख भी शामिल किए गए हैं।

संस्कृति और साहित्य जगत का बड़ा नाम हैं डॉ. व्यास

ग्रंथ संपादक डॉ. राजेश कुमार व्यास देश के प्रतिष्ठित संस्कृतिकर्मी, कला समीक्षक और नाट्यशास्त्र के मर्मज्ञ विद्वान माने जाते हैं। साहित्य की विभिन्न विधाओं में उनकी अब तक 27 मौलिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। वर्तमान में वे लोकभवन में राज्यपाल के अतिरिक्त निदेशक (पीआर) पद पर कार्यरत हैं। उन्हें साहित्य अकादेमी सम्मान, राहुल सांकृत्यायन अवार्ड, रामचंद्र शुक्ल आलोचना पुरस्कार तथा सूर्यमल मिश्रण शिखर सम्मान सहित अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा जा चुका है। दूरदर्शन के लिए उन्होंने 'डेजर्ट कॉलिंग' धारावाहिक का लेखन भी किया है।

अस्पतालों में अब क्यूआर कोड से होगा ऑनलाइन पंजीयन, मरीजों को कतारों से मिलेगी राहत

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। जिले के सरकारी चिकित्सालयों में अब मरीजों और तीमारदारों को ओपीडी पर्ची के लिए लंबी कतारों में खड़ा नहीं होना पड़ेगा। स्वास्थ्य विभाग ने मरीजों की सुविधा के लिए आभा आधारित ऑनलाइन पंजीयन व्यवस्था शुरू कर दी है। इसके तहत अस्पतालों में विभिन्न स्थानों पर क्यूआर कोड चस्पा किए गए हैं, जिन्हें स्कैन कर मरीज घर बैठे या अस्पताल पहुंचते ही ऑनलाइन पंजीयन करवा सकेंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि अस्पतालों के ओपीडी पर्ची केंद्रों के बाहर और अन्य प्रमुख स्थानों पर पंजीयन क्यूआर कोड लगाए गए हैं। मरीज जैसे ही क्यूआर कोड स्कैन करेंगे, उनका ऑनलाइन ओपीडी पंजीयन हो जाएगा और उन्हें टोकन नंबर जारी कर दिया जाएगा। इसके बाद मरीज संबंधित चिकित्सक से जांच एवं परामर्श ले सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस व्यवस्था के साथ लोगों के आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कार्ड के तहत आभा कार्ड भी बनाए जा रहे हैं। आभा कार्ड के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति का अलग डिजिटल स्वास्थ्य अकाउंट तैयार होगा, जिसमें उसकी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी सुरक्षित रहेगी। अभी तक मरीजों को जांच से पहले कंप्यूटर आधारित ऑफलाइन पर्ची के लिए काउंटरों पर लंबी कतारों में लगना पड़ता था। मौसमी बीमारियों के दौरान मरीजों की संख्या बढ़ने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। नई व्यवस्था लागू होने से मरीजों का समय बचेगा और चिकित्सकीय जांच प्रक्रिया भी तेज होगी।

ऐसे करेगा क्यूआर कोड काम

अस्पताल पहुंचने पर सबसे पहले क्यूआर कोड स्कैन करना होगा आभा एप डाउनलोड कर उसमें पंजीयन करना होगा अस्पताल के साथ अपनी प्रोफाइल साझा करनी होगी टोकन नंबर आने पर काउंटर से स्लिप लेकर चिकित्सक से परामर्श लिया जा सकेगा।

नगर परिषद में टेंडरों में गड़बड़ी का आरोप, पूर्व पार्षद ने एडीएम से मांगी निष्पक्ष जांच

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। नगर परिषद में सफाई श्रमिक एवं ट्रैक्टर-ट्रॉली टेंडरों में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की आशंका को लेकर वार्ड 58 के निवर्तमान पार्षद बिलाल भूरान ने एडीएम को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि 31 मार्च 2026 के बाद बिना वित्तीय स्वीकृति और बिना कार्य आदेश के पुराने टेंडरों को आगे बढ़ाकर निजी फर्मों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। भूरान ने ज्ञापन में बताया कि राज्य सरकार की ओर से वर्ष 2026-27 के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली टेंडर 18 मार्च 2026 तथा सफाई श्रमिक टेंडर 24 मार्च 2026 को ऑनलाइन आमंत्रित किए गए थे। इन निविदाओं की तकनीकी बीड भी नगर परिषद की ओर से खोल दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद पुराने ठेकेदारों को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से टेंडरों की अवधि बार-बार बढ़ाई जा रही है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि नगर परिषद के कुछ कर्मचारी एवं अधिकारी आपसी सांठगांठ कर पुराने ठेकों को जारी रखे हुए हैं। भूरान ने दावा किया कि पूर्व में सफाई श्रमिक टेंडर की जांच के दौरान चार श्रमिक मौके पर नहीं मिले थे, जबकि उनके नाम से प्रतिमाह भुगतान उठाया जाता रहा। इससे भ्रष्टाचार और मिलीभगत की आशंका और गहरा गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर परिषद की आर्थिक स्थिति खराब होने का हवाला दिया जाता है, जबकि दूसरी ओर निजी फर्मों को करीब 80 लाख रुपए का भुगतान किया जा चुका है। वहीं कई अन्य कार्यों के भुगतान लंबित हैं, नगर परिषद के कुछ बिजली कनेक्शन कटे हुए हैं तथा नाला सफाई कार्यों के भुगतान भी अटके पड़े हैं।

ज्ञापन में आशंका जताई गई कि 31 मार्च 2026 के बाद संबंधित फर्मों को लाभ पहुंचाने के लिए बैक डेट में वित्तीय स्वीकृतियां बढ़ाई जा सकती हैं। भूरान ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी कर्मचारियों व अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पाटन में न्यायालय व राजमार्ग सड़क बनाने का मुद्दा गर्माया

जयपुर टाइम्स

पाटन(निस)। कोटपूतली से नीमकाथाना बाईपास तक स्थित राज्य राजमार्ग की खराब स्थिति और तहसील पाटन में पृथक राजस्व न्यायालय स्थापित करने की मांग को लेकर स्थानीय नागरिकों ने हाल ही में गंभीर ज्ञापन तहसीलदार पाटन और राजस्व विभाग, राजस्थान सरकार को सौंपा।

स्थानीय नागरिकों के अनुसार उक्त मार्ग पर प्रतिदिन लगभग दस हजार वाहन गुजरते हैं, लेकिन सड़क की जर्जर स्थिति के कारण दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना हुआ है। सड़क पर पड़े गड्ढों और असुरक्षित वाहन संचालन के कारण कई बार संपत्ति और मानव जीवन को भी क्षति पहुंच चुकी है। साथ ही, धूल और मिट्टी उड़ने से राहगीरों और वाहन चालकों की परेशानी बढ़ गई है। ज्ञापन में यह भी बताया गया कि सड़क पर पानी का नियमित छिड़काव न होने के कारण धूल की समस्या और गंभीर हो गई है।

स्थानीय निवासियों ने शीघ्र मरम्मत, पुनर्निर्माण और आवश्यक सुरक्षा उपायों की मांग की है ताकि आमजन सुरक्षित रूप से इस मार्ग का उपयोग कर सकें।दूसरी ओर, तहसील पाटन में पृथक राजस्व न्यायालय की स्थापना की मांग भी उठाई गई है। वर्तमान में क्षेत्र के निवासियों को नीमकाथाना स्थित राजस्व न्यायालय तक लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। इससे किसानों, वरिष्ठ नागरिकों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को न्याय पाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ज्ञापन में उपस्थित लोगों में एडवोकेट नीर सिंह मीणा, सरपंच मनोज चौधरी, टिंकू योगी, अनिल चौधरी, सुमित यादव राजपुरा, नेतराम यादव और विक्रम सैनी रायपुर शामिल रहे। स्थानीय लोगों की मांग है कि तहसील पाटन में पृथक राजस्व न्यायालय स्थापित किया जाए, ताकि न्याय त्वरित, सरल और सुलभ तरीके से सभी को मिल सके।राजस्व विभाग और तहसील प्रशासन से अपेक्षा की जा रही है कि वे जनहित को ध्यान में रखते हुए सड़क की मरम्मत और न्यायालय स्थापना के लिए शीघ्र कदम उठाएँ।

स्संडेज ऑन साइकिल रैली कल

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। संडेज ऑन साइकिल कार्यक्रम रविवार को सुबह आयोजित होगा। कोतवाली सीआई बैगाराम मीणा ने बताया कि रविवार को सुबह साढ़े 6 बजे गणेश मंदिर से संडेज ऑन साइकिल कार्यक्रम के तहत साइकिल रैली आयोजित की जाएगी। जिसमें अधिक से अधिक लोगो से अपनी स्वयं की साइकिल लेकर हिस्सा लेने की अपील की गई है। टी शर्ट पहनकर रैली में आने की अपील भी की गई है।

जयपुर में निगम की कार्रवाई, अतिक्रमण हटाकर 4 केंटर सामान जब्त

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। नगर निगम जयपुर की सतर्कता शाखा ने शुक्रवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अस्थायी अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान चार केंटर सामान जब्त कर निगम गोदाम में भिजवाया गया।

नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा के निर्देश एवं पूर्व में प्राप्त शिकायतों के आधार पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में टीम ने बरकत नगर, प्रधान मार्ग, एसएमएस अस्पताल गेट नंबर 2 एवं 3, ट्रोमा सेंटर, अजमेरी गेट सूचना केंद्र तथा महाराजा कॉलेज के सामने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की।

उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि अभियान के दौरान सड़क एवं सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अस्थायी अतिक्रमण हटवाए गए। साथ ही अतिक्रमण करने वालों को मौके पर समझाइश देते हुए भविष्य में स्वयं अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए।

निगम अधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि दोबारा अवैध अतिक्रमण किया गया तो संबंधित लोगों के खिलाफ भारी जुर्माना लगाने के साथ सख्त कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम द्वारा शहर में यातायात व्यवस्था और आमजन की सुविधा बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे।

उप जिला अस्पताल में आधे डॉक्टर गायब, सुविधाएं भी बीमार

सांभरलेक. उप जिला अस्पताल में चिकित्सकों की भारी कमी और नए नियुक्त डॉक्टरों के कार्यभार ग्रहण नहीं करने से स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई हैं। अस्पताल में प्रतिदिन करीब एक हजार मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं, लेकिन स्वीकृत 23 चिकित्सकों के मुकाबले केवल 11 डॉक्टर ही कार्यरत हैं। राज्य सरकार की ओर से करीब 6 माह पहले 28 जनवरी को जारी सूची में डॉ. शुभम मिश्रा, मोहम्मद फैजल खान और डॉ. वंदिता चौधरी की पोस्टिंग की गई थी, लेकिन इनमें से दो चिकित्सकों ने आज तक जॉइनिंग नहीं दी। ऐसे में मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है और गंभीर रोगियों को मजबूरी में जयपुर रेफर किया जा रहा है। अस्पताल में सोनोग्राफी व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है। उप जिला अस्पताल में सप्ताह में केवल सोमवार और गुरुवार को ही सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध है, लेकिन यहां औसतन एक दिन में करीब 15 सोनोग्राफी ही की जा रही हैं। इस हिसाब से एक माह में लगभग 100 सोनोग्राफी हो पा रही हैं। वहीं दूसरी ओर निजी सोनोग्राफी सेंटरों पर प्रतिदिन 30 से 40 सोनोग्राफी होने की बात सामने आ रही है, यानी एक निजी सेंटर पर ही महीने में करीब 1200 सोनोग्राफी की जा रही हैं। ऐसे में प्रतिदिन एक हजार से अधिक ओपीडी वाले सरकारी अस्पताल में बेहद कम सोनोग्राफी होना व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है और पूरे मामले में दाल में काला होने की आशंका जताई जा रही है। रियासतकाल में 'स्टेट हॉस्पिटल' के नाम से पहचान रखने वाला सांभरलेक अस्पताल आज संसाधनों और व्यवस्थाओं के अभाव में खुद इलाज का मोहताज नजर आ रहा है। 22 जून 2023 को तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से अस्पताल को सीएचसी से उप जिला अस्पताल में क्रमोन्नत करने की घोषणा के बाद क्षेत्रवासियों को आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की उम्मीद जगी थी, लेकिन करीब तीन साल बाद भी हालात जस के तस बने हुए हैं। अस्पताल के नाम के आगे 'उप जिला अस्पताल' जरूर जुड़ गया, लेकिन सुविधाएं अब भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैसी भी नहीं हैं। अस्पताल की व्यवस्थाएं मरीजों की परेशानी को और बढ़ा रही हैं। अस्पताल खुलने का समय सुबह 8 बजे निर्धारित है, लेकिन कई चिकित्सक और स्टाफ सदस्य 9 बजे बाद तक पहुंचते हैं। सुबह से लाइन में लगे मरीज डॉक्टरों का इंतजार करते नजर आते हैं। दूरदराज गांवों से आने वाले बुजुर्ग, महिलाएं और गंभीर मरीज समय पर उपचार नहीं मिलने से परेशान हैं। वाहन पार्किंग की समुचित व्यवस्था नहीं होने से अस्पताल परिसर के बाहर दिनभर अव्यवस्था बनी रहती है। मरीजों और उनके परिजनों को वाहन सड़क किनारे खड़े करने पड़ते हैं, जिससे जाम की स्थिति बन जाती है। अस्पताल परिसर में पर्याप्त जगह नहीं होने के कारण लैब, वार्ड, प्रशासनिक ब्लॉक और पार्किंग जैसी मूलभूत सुविधाओं का विस्तार भी अटका हुआ है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि उप जिला अस्पताल बनने के बावजूद आज तक नए भवन के लिए जमीन तक चिन्हित नहीं हो सकी है। अस्पताल प्रभारी डॉ. महेश वर्मा के अनुसार जमीन उपलब्ध कराने के लिए नगर पालिका प्रशासन को दो-तीन बार पत्र लिखे जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। जबकि कई भामाशाह अस्पताल के लिए जमीन उपलब्ध कराने की इच्छा जता चुके हैं। इसके बावजूद प्रशासनिक सुस्ती के कारण अस्पताल विस्तार की योजना फाइलों में ही अटकी हुई है। कभी पूरे क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं की पहचान रहा यह अस्पताल आज चिकित्सकों की कमी, लेटलतीफी, संसाधनों के अभाव और प्रशासनिक निष्क्रियता की मार झेल रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि जल्द ठोस कदम नहीं उठाए गए तो उप जिला अस्पताल का दर्जा केवल बोर्ड तक सीमित होकर रह जाएगा।

कलक्टर संदेश नायक की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित

एचपीवी टीकाकरण, मौसमी बीमारियों व स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। जिला कलक्टर संदेश नायक की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों व योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान जिले में संचालित एचपीवी टीकाकरण अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने एचपीवी टीकाकरण के संबंध में आमजन के बीच अधिकाधिक जागरूकता प्रसारित करने के निर्देश दिए, ताकि पात्र 14 वर्ष आयुवर्ग की किशोरियों को समय पर टीकाकरण का लाभ मिल सके। मौसमी बीमारियों की रोकथाम के संबंध में उन्होंने पीने के स्वच्छ पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने, ओआरएस की पर्याप्त व्यवस्था रखने तथा अस्पतालों एवं स्वास्थ्य संस्थानों में कूलर एवं पंखों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गैर संचारी रोग (एनसीडी) कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए 30 वर्ष एवं उससे अधिक आयुवर्ग के रोगियों एवं उनके परिजनों की नियमित स्क्रीनिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही टीकाकरण कार्यक्रमों की पोर्टल पर समयबद्ध एंट्री सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। मां वाउचर योजना की समीक्षा करते हुए योजना की प्रभावी मॉनिटरिंग व व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी जिला कलक्टर ने दिए। इसके अतिरिक्त विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों के लंबित भुगतानों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश भी प्रदान किए गए। बैठक में किलकारी कार्यक्रम व मोबाइल अकादमी पर राज्य प्रतिनिधि स्वाति द्विवेदी की ओर से प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया। इसके अलावा मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना, एएनसी, परिवार कल्याण, लाडो प्रोत्साहन योजना, वय वंदन योजना, हरियालो राजस्थान अभियान, आभा कार्ड, आयुष्मान आरोग्य योजना, अनीमिया मुक्त राजस्थान अभियान, आईएचआईपी पोर्टल पर डेटा एंट्री, यूडीआईडी, संस्थागत प्रसव, पीसीपीएनडीटी योजना, आरबीएसके योजना, टीबी मुक्त भारत अभियान, आगामी विश्व तंबाकू निषेध दिवस व स्टॉप डायरिया कैम्पेन सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर मुकेश कुमार मूंड, मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी प्रथम डॉ. रवि शेखावत, द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल सहित चिकित्सा विभाग के अधिकारी व संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जीआरपी के जवानों को ओआरएस घोल के पैकेट्स वितरित

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। बढ़ती गर्मी को लेकर सरकार के साथ-साथ पुलिस विभाग भी अलर्ट में आया है। पुलिस मुख्यालय जयपुर ने अपने जवानों व अधिकारियों को गर्मी से बचाव के लिए अनूठा प्रयोग किया है। विभाग ने पूरे प्रदेश के सभी थानों व चौकियों में ओआरएस के घोल वितरित किए है। इसीक्रम में उक्त ओआरएस के पैकेट्स शुक्रवार को रतनगढ़ भी पहुंचे। जीआरपी थाना के कार्यवाहक थानाधिकारी कुलदीप पूनियां ने उक्त पैकेट्स थाने के स्टाफ को वितरित किए हैं। पूनियां ने बताया कि रतनगढ़ थाने में तैनात 20 जवानों एवं चूरू पुलिस चौकी में कार्यरत सात जवानों को पुलिस मुख्यालय जयपुर की ओर से मिले ओआरएस के पैकेट्स वितरित किए गए हैं।

यज्ञ-हवन से गूंजा ऋषिकुल बी.एड. कॉलेज परिसर

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। स्थानीय श्री ऋषिकुल बी.एड. कॉलेज में चल रहे सात दिवसीय एसयूपीडब्ल्यू एवं सामुदायिक सेवा शिविर के पांचवें दिन शुक्रवार को गायत्री यज्ञ एवं हवन का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आयोजित यज्ञ में छात्र- अध्यापक, छात्र-अध्यापिकाओं एवं शिक्षकों ने विश्व कल्याण, सुख-समृद्धि और पर्यावरण शुद्धि की कामना के साथ आहुतियां दीं। यज्ञ से पूरा महाविद्यालय परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में देवेंद्र सिंह ओलखा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में गायत्री चेतना केंद्र के मुख्य ट्रस्टी गोविंद राम सोनी एवं ऊषा ओलखा मौजूद रहे। अतिथियों का कॉलेज प्रशासन एवं प्रशिक्षणार्थियों ने पारंपरिक स्वागत किया।यज्ञ के बाद आयोजित सभा में वक्ताओं ने कहा कि यज्ञ भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा होने के साथ पर्यावरण शुद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का भी माध्यम है। उन्होंने भावी

शिक्षकों से समाज में नैतिक मूल्यों एवं संस्कारों के प्रसार का आह्वान किया। संस्था प्रधान डॉ. रेखा शर्मा ने अतिथियों का आभार जताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास में सहायक सिद्ध होते हैं।इस अवसर पर सौरभ जोशी, संजय जोशी, जय प्रकाश सरावगी, डॉ. डिम्पल जोशी, मंजू तिवाड़ी, डॉ. मीना रोहित एवं बनवारीलाल मील सहित महाविद्यालय स्टाफ और बड़ी संख्या में प्रशिक्षणार्थी मौजूद रहे।

सार्वजनिक स्थलों से हटेंगे मधुमक्खियों के छत्ते, नगरपालिका ने शुरू की कार्रवाई

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। कस्बे में सार्वजनिक और व्यस्त इलाकों में बढ़ते मधुमक्खियों के प्रकोप को लेकर नगरपालिका प्रशासन अब सक्रिय हो गया है। जगह-जगह बने मधुमक्खियों के बड़े छत्तों से आमजन में भय का माहौल बना हुआ है तथा राहगीरों और दुकानदारों को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समस्या को गंभीरता से लेते हुए नगरपालिका ने ऐसे सभी छत्तों को हटाने की कार्रवाई शुरू करने का निर्णय लिया है। नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी सहदेव चारण ने बताया कि नगरपालिका क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सार्वजनिक स्थानों पर, जहां आम लोगों का लगातार आवागमन रहता है, वहां यदि मधुमक्खियों के छत्ते पाए जाते हैं तो उन्हें प्राथमिकता के आधार पर हटवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आमजन की सुरक्षा नगरपालिका की पहली प्राथमिकता है और जिन स्थानों से लगातार शिकायतें मिल रही हैं, वहां तत्काल कार्रवाई की जाएगी। ईओ ने बताया कि

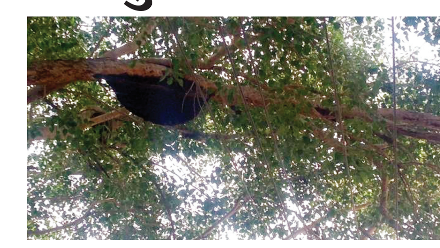

कस्बे के सुभाष चौक, बस स्टैंड सहित कई व्यस्त इलाकों में मधुमक्खियों के बड़े छत्ते होने की शिकायतें सामने आई हैं। इन शिकायतों पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए नगरपालिका टीम को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जल्द ही विशेष अभियान चलाकर इन छत्तों को हटाया जाएगा ताकि लोगों को राहत मिल सके। नगरपालिका प्रशासन के इस फैसले के बाद स्थानीय नागरिकों ने राहत की सांस ली है। लोगों का कहना है कि लंबे समय से मधुमक्खियों के कारण दुर्घटना और हमले का खतरा बना हुआ था, जिससे अब निजात मिलने की उम्मीद जगी है।

महिला समूह बैठक में स्वच्छता और पोषण का दिया संदेश

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। शहर में आरयूआईडीपी की ओर से चलाए जा रहे जनजागरूकता अभियान के तहत शुक्रवार को वार्ड नंबर 37 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में महिला समूह बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में महिलाओं को स्वच्छता, घरेलू सीवरेज कनेक्शन और पोषण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। आरयूआईडीपी जन सहभागिता इकाई के प्रवीण सिंह राठौड़ ने महिलाओं को घरेलू सीवरेज कनेक्शन के लाभ और उसके सही उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सीवरेज कार्य पूर्ण होने के बाद शहर में स्वच्छता व्यवस्था में बेहतर बदलाव देखने को मिलेंगे। बैठक में उपस्थित महिलाओं की शंकाओं का समाधान करते हुए उन्होंने स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। बैठक में एलएस सुशीला सांगवान ने आंगनबाड़ी केंद्र में संचालित गतिविधियों की जानकारी देते हुए पोषाहार के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विशेष रूप से कुपोषित बच्चों को ऊपरी आहार के माध्यम से कुपोषण से दूर करने के उपाय बताए तथा गर्भवती महिलाओं के संतुलित खान-पान और स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों के बारे में जानकारी दी। इस दौरान महिलाओं को घरेलू स्वच्छता, साफ-सफाई और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक आदतों के प्रति भी जागरूक किया गया। बैठक का संचालन आंगनबाड़ी कार्यकर्ता इंदुबाला ने किया।

शिवपुराण कथा में द्वादश ज्योतिर्लिंगों की महिमा सुन उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

जयपुर टाइम्स

सालासर(निस)। धर्म नगरी गुडावड़ी स्थित गुमानदास बाबा बगीची में आयोजित संगीतमय श्री शिवपुराण महाकथा के छठे दिवस श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कथा स्थल पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया और पूरा परिसर भगवान शिव के जयकारों से शिवमय हो उठा। कथा व्यास साध्वी उमा भारती जी ने भगवान शिव की अनंत महिमा, शिवभक्ति व सनातन धर्म के महत्व का भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को धर्म और भक्ति का संदेश दिया। कथा के दौरान साध्वी उमा भारती ने द्वादश ज्योतिर्लिंगों की महिमा व उनसे जुड़ी पावन कथाओं का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंग भक्तों की समस्त मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाले हैं तथा सच्चे मन से की गई शिवभक्ति से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। कथा में भगवान भोलेनाथ की कृपा, मानव जीवन में धर्म के महत्व और सद्मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी गई। उन्होंने कहा कि शिवपुराण का श्रवण व्यक्ति के जीवन में सुख, शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है तथा मानसिक तनाव और कष्टों से मुक्ति

दिलाता है। कथा के दौरान श्रद्धालु 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयघोष लगाते हुए भक्ति रस में सराबोर नजर आए। कार्यक्रम में भजन-कीर्तन एवं महाआरती का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त किया। महाआरती के समय पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया और श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की आराधना कर परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। कथा के यजमान नारायण डूकिया रहे। इस अवसर पर गोपाल ढाका, रामकरण शर्मा, महेंद्र ढुकिया, भंवरलाल राव, मनोहरलाल ढुकिया, विनोद ढुकिया, रमेश राव, सुरजाराम ढुकिया, तारासिंह, दीपेंद्र स्वामी, रामदेव शर्मा, भागीरथ डूकिया, मूलचंद शर्मा, परमेश्वर शर्मा सहित अनेक नागरिक व समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।

व्याख्याता से पदोन्नत प्रधानाचार्य की चयन तिथि के अंकन को लेकर सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। सत्र 2015-16 से 2019-20 तक के व्याख्याता से पदोन्नत प्रधानाचार्य की पदोन्नति चयन तिथि के अंकन को लेकर अब प्रदेश के प्रधानाचार्य भी आंदोलन की राह पर है। संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने शुक्रवार को शिक्षा मंत्री के अति. मुख्य सचिव व निदेशक (स्कूल शिक्षा) को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि शिक्षा मंत्री के कई बार निर्देश और शासन सचिव (शिक्षा) के लिखित आदेशों के बावजूद निदेशालय के सम्बंधित कार्मिक चयन तिथि अंकन का कार्य नहीं कर रहे हैं। संगठन के मुख्य संरक्षक प्रमोद मिश्रा ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि दो सप्ताह में ये कार्य नहीं किया गया, तो 8 जून को प्रधानाचार्य निदेशालय का घेराव करेंगे और नव सत्र प्रारम्भ होने के पहले दिन से ही निदेशालय पर बेमियादी धरना शुरू करेंगे। इस अवसर पर प्रतिनिधि मंडल के डॉ. राजेंद्र बंसल, भंवर गुर्जर, महेश सोनी, गिरधारी लाल मीणा, रामकुमार खीचड़, रामकरण जाट, हरिप्रसाद टाक, विष्णु घंटेलवाल, पंकज ओसवाल, हवासिंह सहारण, अविनाश सहारण सहित बड़ी संख्या में प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

मण्डावा में एसडीएम मुनेश कुमारी का विदाई सम्मान समारोह आयोजित

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। उपखंड मुख्यालय स्थित भवन परिसर में शुक्रवार को स्टाफ की ओर से उपखंड अधिकारी मुनेश कुमारी के स्थानांतरण पर विदाई सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में स्थानीय ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, अधिवक्ताओं व प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लेकर एसडीएम को सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर मण्डावा तहसीलदार डॉ. सुरेंद्र भास्कर व स्टाफ सदस्यों ने उपखंड अधिकारी मुनेश कुमारी को स्मृति चिन्ह भेंट किए। साथ ही साफा व माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया गया। समारोह में उपस्थित लोगों ने उनके सरल स्वभाव, जनसुनवाई में सक्रियता एवं प्रभावी प्रशासनिक कार्यशैली की सराहना की। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि एसडीएम मुनेश कुमारी ने प्रशासन और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया, जिससे आमजन को काफी राहत मिली। समारोह में विकास कुमार आबुसर, गिरधारीलाल जांगिड़, अंकित तिलोटिया, शिवभगवान कुमावत, संजीव पूनिया, एडवोकेट महेंद्र नेमीवाल सहित अनेक स्टाफ सदस्य व नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने उपखंड अधिकारी को नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राजस्थान सरकार
निदेशालय महिला अधिकारिता
जे - 7 झालाना संस्थानिक क्षेत्र
जयपुर, दूरभाष 0141-2716422

NOTICE INVITING BID

Bids for procurement of supply of Food (Lunch, Dinner, Breakfast etc.) for various programmes of this Directorate, Women Empowerment Department, Jaipur (Rajasthan) are invited up to 12.00 PM of 04.06.2026 Other particular of Bid may be visited on the procurement portal (http//sppp.raj.nic) of the state. The approximate value of the procurement is Rs. 9,00,000/- (Rs. Nine Lakhs Only).
UBN.WMP2627SSOB00036

(Neetu Rajeshwar)
Additional Director (Gender)
Women Empowerment Deparment
Rajasthan, Jaipur

DIPR/C/8971/2026

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DN SUJANGARH

No :- 208-222 Date:- 15/05/2026

Notice Inviting Bid No 02/2026-27

Bids for 2 (Two Nos) work are invited from interested bidders upto 06.00 PM dated 09.06.2026 other particulars the bid may be visited on the procurement portal (http:// eproc. rajasthan. gov. in/http://sppp.raj.nic.in) of the state and PWD departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 345.34 Lacs

NIB No PWD2627A0563
UBN NO :-
1. PWD2627WSOB02530
2. PWD2627WSOB02533

Executive Engineer
PWD Dn. Sujangarh

DIPR/C/8962/2026

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता भू जल विभाग, जयपुर
72-बी झालाना डूंगरी सांस्थानिक क्षेत्र, जयपुर-302004
Email id- XENGWDIPR@RAJASTHAN.GOV.IN Phone no. 0141-2710467

क्रमांकः पं. () स्टोर / अअ / भूजवि / जय / 2026-27/610 दिनांक 19/01/2026

बिड सूचना संख्या-2

इस खण्ड कार्यालय परिसर में सफाई कार्य हेतु दर संविदा की खुली प्रतियोगी बोली के प्रपत्र दिनांक 19526 से 25526 तक विक्रय कर दिनांक 265 26. को खोली जायेगी। बोली की समस्त शर्तो को लोक उपापन पार्टल व विभागीय वेबसाइट https// department. rajasthan.gov.in/home/dpt / 76 पर उपलब्ध करवा दी गई है।
UBN No. GWD2627 SSRC 00018

आहरण एवं वितरण अधिकारी
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता,
भू जल विभाग, जयपुर

DIPR/C/8966/2026

OFFICE OF GRAM PANCHAYAT GHASIPURA P.S. PATAN (SIKAR)

S. NO. 29 DATE : 22.05.2026

Notice Inviting Bid

Bid for Rate contract of Material Procurement in varies construction works undar MGNAREGA and Other Scheme For FY 2026-27 are invited from intersted bidders till Date 03-06-2026, 12:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in & http://eproc.raj.nic.in) of the state. The approximate Maximum value of the procurement is RS : 2500000/-

UBN No. PKP2627WSOB00046, PKP2627GLRC00047

PRASHASHAK
G.P. GHASIPURA

VDO
G.P. GHASIPURA

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम
जीवीएम रोड़, पुलिस थाने के सामने, सरदारशहर-331403, ईमेल आई0डी - rsrtc.cmsds@yahoo.com

निविदा - सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया है कि राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम सरदारशहर में स्पेयर पार्टस की स्थानीय खरीद हेतु सील बंद लिफाफे में निविदाऐं इच्छुक निविदादाताओं से खुली निविदा द्वारा प्रस्ताव आमंत्रित किये जाते है :–

क्र. सं.	ग्रुप ऑफ आईटमस	निविदा की कुल लागत/ मूल्य	निविदा शुल्क (GST सहित)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र एवं शर्तें प्राप्त करने की तिथि व समय	निविदा जमा करवाने की अन्तिम तिथि व समय	निविदादाताओं के समक्ष निविदा खोलने की तिथि व समय
1	TATA BS-III TATA BS-IV TATA BS-VI	480000/–	590	9600	15.05.2026 से 04.06.2026 से 15.00 PM	03.06.2026 16.00 PM	04.06.2026, 12.00 PM

प्राप्त निविदाओं को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोला जाऐगा। सशर्त निविदाओं पर विचार नहीं किया जावेगा। निविदा पत्र के साथ निर्धारित धरोहर राशि 9600 रू. (नौ हजार छः सौ रू. मात्र) डी.डी. मुख्य प्रबंधक सरदारशहर आगार के नाम जमा करानी होगी। किसी भी निविदा को बिना कारण बताये अस्वीकार करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास सुरक्षित रहेगा। निविदा प्रपत्र/फार्म निर्धारित दिनांक तक इस कार्यालय से अथवा पोर्टल से प्राप्त कर इसी कार्यालय में जमा करवाये जाने है।

निविदा देने पर शर्तें निम्न प्रकार है –

- निविदादाता को टेण्ड़र खोलने के समय उपस्थित होना अनिवार्य होगा।
- आवंटित को रू0 500/– के स्टाम्प पेपर पर अनुबन्ध पत्र आदि भरकर निगम नियमानुसार लीगल कार्यवाही करनी होंगी।

नोटः– उक्त निविदा सूचना के सम्बन्धा में आवश्यक जानकारी वेबसाईट **www.sppp.raj.nic.in/ http://transport.rajasthan.gov.in/rsrtc** पर देखी जा सकती है।

UBN : RTC2627GSRC00163

राज.संवाद/सी/26/3339 **विज्ञापन संख्या 81/2026-27** **मुख्य प्रबंधक**

कार्यालय ग्राम पंचायत ढाणी कालेरा, पंचायत समिति बीदासर

क्रमांक :- 27 दिनांक :- 22.05.2026

ग्राम पंचायत ढाणी कालेरा में वर्ष 2026-27 विभिन्न स्वीकृत विकास कार्यो हेतु ई-निविदायें आंमत्रित की जाती है। इस हेतु इच्छुक विनिर्दिष्टत पंजीकृत बोलीदाता/संवेदक/ फर्म से निर्धारित प्रपत्र में निविदा से संबंधित अन्य विवरण तथा समस्त निविदा शर्ते http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.rajasthan.gov.in देखी एवं डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।

क्र.सं.	निविदा सूचना संख्या	NIB No.	UBN No.	वि.वि.
1	01/2026-27/22.05.2026	ZCR2627A0203	ZCR2627GLOB00348	
2	02/2026-27/22.05.2026	ZCR2627A0204	ZCR2627WSOB00349	

प्रशासक
ग्राम पंचायत ढाणी कालेरा, पं.स., बीदासर

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत ढाणी कालेरा, पं.स., बीदासर

अधन्नपुर में गूंजा ध्रुव चरित्र, कथा सुन श्रद्धालु भावविभोर

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। ग्राम अधन्नपुर में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के चौथे दिन कथाव्यास बाल ब्रह्मचारी लोकेशानंद जी महाराज अवधूत ने नवधा भक्ति, दक्ष प्रजापति प्रसंग व भक्त शिरोमणि ध्रुव चरित्र का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा में ध्रुव की कठोर तपस्या और भगवान नारायण की कृपा का प्रसंग सुन श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। महाराज जी ने दक्ष प्रजापति प्रसंग के माध्यम से अहंकार त्यागने का संदेश देते हुए कहा कि अभिमान मनुष्य के विवेक को नष्ट कर देता है। वहीं नवधा भक्ति के नौ स्वरूपों का वर्णन करते हुए भगवान के नाम संकीर्तन को कलियुग में मुक्ति का सबसे सरल मार्ग बताया। कथा के दौरान भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे और पूरा वातावरण 'जय श्री कृष्ण' व '? नमो भगवते वासुदेवाय' के जयकारों से गुंजायमान हो गया। इस अवसर पर मुख्य यजमान सोबरन सिंह अरेला, भगवंत प्रसाद अरेला सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पीड़ित प्रतिकर स्कीम बैठक में तीन आवेदनों पर 10.50 लाख रुपए सहायता की अनुशंसा

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। जिला व सेशन न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजीव मागो की अध्यक्षता में गुरुवार को उनके अवकाशागार में पीड़ित प्रतिकर स्कीम-2011 के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में पीड़ित प्रतिकर योजना से जुड़े प्रार्थना पत्रों के निस्तारण पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान कमेटी के समक्ष कुल सात प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए गए। सभी मामलों पर चर्चा के बाद कमेटी ने तीन आवेदनों में कुल 10 लाख 50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने की अनुशंसा की। बैठक में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेखा यादव, जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी, जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शैला फौजदार, लोक अभियोजक भगवान सिंह तथा अभिभाषक संघ धौलपुर के अध्यक्ष हरिओम शर्मा उपस्थित रहे। बैठक का समापन सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेखा यादव ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया।

नथ चोरी का 24 घंटे में खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

दूदू(निस)।। दूदू थाना पुलिस ने गांव गणेशपुरा में हुई सोने की नथ चोरी की वारदात का 24 घंटे में खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ के आधार पर चोरी का माल खरीदने वाले व्यक्ति की तलाश शुरू कर दी है। जिला पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने बताया कि गणेशपुरा निवासी मोहनलाल जाट ने 20 मई को रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि अज्ञात बदमाश उसके घर से उसकी माता की सोने की नथ चोरी कर ले गए। मामले में दूदू थाने में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवलाल बैरवा और वृत्ताधिकारी दीपक खंडेलवाल के निर्देशन में थाना प्रभारी मुकेश कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने तकनीकी सहायता और सूचना तंत्र के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी सतवीर चौधरी और मोहित उर्फ बंटी को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जहां दोनों ने चोरी करना स्वीकार कर लिया। इसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने चोरी की गई सोने की नथ को दूदू निवासी एक व्यक्ति को करीब 1 लाख 32 हजार रुपए में बेच दिया। पुलिस जब उक्त व्यक्ति की तलाश में पहुंची तो वह घर से फरार मिला। उसकी तलाश जारी है। गिरफ्तार आरोपियों में गणेशपुरा निवासी 19 वर्षीय सतवीर चौधरी तथा पचेवर थाना क्षेत्र के पारली निवासी 22 वर्षीय मोहित उर्फ बंटी शामिल हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

निःशुल्क अस्थि रोग व जोड़ प्रत्यारोपण परामर्श शिविर 30 को

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। भारत विकास परिषद्, अग्रसेन नगर समग्र विकास समिति चूरू व गिन्नी देवी ऑर्थोपेडिक हॉस्पिटल जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में 30 मई को निःशुल्क अस्थि रोग, जोड़ प्रत्यारोपण परामर्श व जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर अग्रसेन नगर स्थित सामुदायिक भवन में प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित होगा। भारत विकास परिषद के सचिव रामस्वरूप शर्मा ने बताया कि शिविर में वरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रतुल जैन मरीजों को परामर्श व जांच सेवाएं प्रदान करेंगे। शिविर में हड्डी एवं जोड़ों से संबंधित रोगों की जांच कर उचित उपचार संबंधी सलाह दी जाएगी। उन्होंने बताया कि मरीज अपने घुटनों की एक्स-रे रिपोर्ट साथ लेकर आएं, ताकि जांच व परामर्श में सुविधा हो सके। शिविर के दौरान बीएमडी जांच भी निशुल्क की जाएगी। आयोजकों ने अधिक से अधिक लोगों से शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

पोक्सो मामले में त्वरित कार्रवाई, आरोपी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। रतनगढ़ पुलिस ने पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए महज पांच घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को शुक्रवार को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार शहर निवासी एक 40 वर्षीय महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी नाबालिग बेटी के साथ सरदारशहर निवासी 35 वर्षीय सकील ने छेड़छाड़ की। महिला की शिकायत पर रतनगढ़ थाना पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर जांच सब इंस्पेक्टर सुभाषचंद्र को सौंपी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी सकील को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

नियमों की अनदेखी पर 12 निजी अस्पतालों के पंजीकरण निलंबित, सीएमएचओ ने किया औचक निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। जिले में निजी स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और जवाबदेह बनाने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. धर्म सिंह मीना ने गुरुवार को कई निजी अस्पतालों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पतालों में चिकित्सा व्यवस्थाओं, मरीजों को दी जा रही सुविधाओं तथा चिकित्सकीय सेवाओं की गुणवत्ता का जायजा लिया गया। सीएमएचओ डॉ. मीना ने गुप्ता हड्डी हॉस्पिटल, यशोदा हॉस्पिटल एवं मैट्रो हॉस्पिटल का निरीक्षण कर वहां भर्ती मरीजों से सीधे संवाद किया और उपचार व्यवस्थाओं की जानकारी ली। गुप्ता हड्डी हॉस्पिटल में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (मॉं) योजना के तहत मरीजों को दिए जा रहे निःशुल्क उपचार की विस्तार से समीक्षा की गई। वहीं यशोदा हॉस्पिटल और मैट्रो हॉस्पिटल में ऑपरेशन करवाने वाले मरीजों का हालचाल जानकर ऑपरेशन करने वाली टीम एवं चिकित्सकों की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नियमों की अवहेलना सामने आने पर जिले के 12 निजी अस्पतालों के पंजीकरण पांच दिवस के लिए निलंबित कर दिए गए। सीएमएचओ ने बताया कि राजस्थान से बाहर अन्य राज्यों से पंजीकृत चिकित्सकों के माध्यम से संचालित एवं अनुबंधित अस्पतालों के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। जिन अस्पतालों के पंजीकरण निलंबित किए गए हैं उनमें श्री बांके बिहारी हॉस्पिटल धौलपुर, दिव्यांशी हॉस्पिटल एवं ट्रॉमा सेंटर जीटी रोड धौलपुर, कलावती हॉस्पिटल सुआ का बाग मनिया, कोटा हॉस्पिटल संत नगर रोड बाड़ी, न्यू कृष्णा हॉस्पिटल धौलपुर, प्रकाश हॉस्पिटल राजाखेड़ा, एस.एन. हॉस्पिटल मनिया, श्री कृष्णा हॉस्पिटल धौलपुर, श्रीजी हॉस्पिटल धौलपुर, सिद्धार्थ सिटी हॉस्पिटल धौलपुर, सी.एस. हॉस्पिटल बसेड़ी एवं शिव नर्सिंग होम मछरिया शामिल हैं। डॉ. मीना ने स्पष्ट निर्देश दिए कि अस्पतालों में उपचार केवल राजस्थान मेडिकल काउंसिल में पंजीकृत चिकित्सकों द्वारा ही किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्धारित अवधि के बाद भी नियमों की पालना नहीं होने पर संबंधित अस्पतालों के पंजीकरण निरस्त कर दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि विभागीय जांच प्रक्रियाधीन होने के चलते सर्जन डॉ. अनुराग सिंह से अनुबंधित ग्लोबल हॉस्पिटल एवं मैक्स हॉस्पिटल के पंजीकरण भी निरस्त कर दिए गए हैं। सीएमएचओ डॉ. धर्म सिंह मीना ने कहा कि मरीजों की सुरक्षा एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। भविष्य में भी निजी अस्पतालों के औचक निरीक्षण लगातार जारी रहेंगे तथा मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भीषण गर्मी में मांगरोल में गहराया जल संकट, ग्रामीण 2 किमी दूर से ला रहे पानी

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। जिले में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी के बीच राजाखेड़ा उपखंड के गांव मांगरोल में पेयजल संकट गहरा गया है। हालात ऐसे हैं कि ग्रामीणों को पीने और दैनिक उपयोग के पानी के लिए करीब 2 किलोमीटर दूर तक जाना पड़ रहा है। कई परिवार टेम्पो, पिकअप और जुगाड़ वाहनों से पानी ढोने को मजबूर हैं। धौलपुर जिले में तापमान 43 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने से लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। गर्मी के साथ गांवों में जल संकट भी विकराल रूप लेता जा रहा है। मांगरोल गांव में कई हैंडपंप खराब पड़े हैं, जबकि गांव में दो पानी की टंकियां और दो हौद होने के बावजूद ग्रामीणों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा। ग्रामीणों का आरोप है कि जलदाय विभाग इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान नहीं दे रहा है। ग्रामीण महिला नत्थोदेवी ने बताया कि पिछले करीब 15 दिनों से नलों में पानी नहीं आने के कारण उन्हें दूर-दराज से पानी लाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि लगातार सिर पर पानी ढोने से उनके बाल तक झड़ने लगे हैं। वहीं ग्रामीण घनश्याम शर्मा ने बताया कि गांव में पिछले 8-10 दिनों से पानी की सप्लाई नहीं हुई है, जिसके चलते लोगों को करीब 2 किलोमीटर दूर से पानी लाना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि राजकुमार नामक युवक रोजाना अपने टेम्पो में मनियां से चार ड्रम पानी भरकर गांव लेकर आता है। जल संकट को लेकर जलदाय विभाग के जेईएन धर्मेंद्र शर्मा ने बताया कि पर्याप्त समय तक बिजली आपूर्ति नहीं मिलने के कारण पानी सप्लाई प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि पहले 6 से 8 घंटे बिजली मिलने से ऐसी समस्या नहीं आती थी, लेकिन वर्तमान में कम बिजली मिलने के कारण दिक्कत बढ़ी है। विभाग जल्द ही समस्या के समाधान के प्रयास करेगा।

धौलपुर पुलिस का 'संडे ऑन साइकिल' अभियान कल, फिटनेस और सुरक्षा का देंगे संदेश

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। पुलिस मुख्यालय की पहल पर फिटनेस और जनजागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से धौलपुर पुलिस व 6वीं बटालियन आरएसी की ओर से संयुक्त रूप से 'संडे ऑन साइकिल' अभियान का आयोजन 24 मई को किया जाएगा। अभियान पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एडीएफ बाड़ी श्रवण कुमार झोरड़ के सुपरविजन में आयोजित होगा। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने बताया कि अभियान रविवार सुबह 6:30 बजे पुलिस लाइन धौलपुर से शुरू होगा। इसका उद्देश्य आमजन को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, योग एवं व्यायाम को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि साइकिलिंग न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, बल्कि प्रदूषण कम करने और यातायात दबाव घटाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सुबह 6:30 बजे से 7 बजे तक पुलिस लाइन में योग सत्र होगा। इसके बाद 7:15 बजे से 7:45 बजे तक जुम्बा एवं रोप स्किपिंग गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। वहीं सुबह 8 बजे से 8:30 बजे तक साइकिलिंग रैली निकाली जाएगी, जो पुलिस लाइन से शुरू होकर जगदीश तिराहा, गुलाब बाग, कृषि उपज मंडी मार्ग से होते हुए 6वीं बटालियन आरएसी धौलपुर पहुंचेगी। इस अभियान में जिला पुलिस एवं आरएसी के अधिकारी, थाना प्रभारी, पुलिस जवान, सीएलजी सदस्य, ग्राम रक्षक, पुलिस मित्र तथा स्कूली छात्र-छात्राएं भाग लेंगे। पुलिस अधीक्षक ने जिलेवासियों से भी अपील की है कि वे 24 मई को सुबह 6:30 बजे पुलिस परेड ग्राउंड धौलपुर में साइकिल सहित पहुंचकर अभियान का हिस्सा बनें और इस पहल को सफल बनाने में सहयोग करें।

म्युचुअल ट्रांसफर नीति लागू करने की मांग, शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ ने शिक्षा विभाग में तबादलों पर लगी रोक हटाने, म्युचुअल ट्रांसफर नीति लागू करने तथा तृतीय श्रेणी शिक्षकों की लंबित पदोन्नतियां शुरू कराने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भेजा है। संघ ने कहा कि इन मांगों को लागू करने से सरकार पर कोई अतिरिक्त आर्थिक भार नहीं पड़ेगा, जबकि हजारों शिक्षकों को राहत मिलेगी। संघ के पूर्व प्रांतीय महामंत्री राजेश शर्मा ने ज्ञापन में बताया कि वर्ष 2018 से तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादले नहीं होने से हजारों शिक्षक वर्षों से अपने परिवार से दूर सेवाएं दे रहे हैं। वहीं पिछले छह शैक्षणिक सत्रों से तृतीय श्रेणी से वरिष्ठ अध्यापक पद पर डीपीसी नहीं होने के कारण शिक्षकों में भारी रोष है। संघ के जिलाध्यक्ष हरी सिंह गुर्जर ने बताया कि ज्ञापन में अन्य राज्यों की तर्ज पर शिक्षा विभाग में म्युचुअल ट्रांसफर की सुविधा लागू करने का सुझाव दिया गया है। इसके तहत जिले के भीतर और एक जिले से दूसरे जिले में पद एवं विषय के अनुसार शिक्षकों से ऑनलाइन या ऑफलाइन आवेदन लेकर पारस्परिक स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। इससे शिक्षकों को राहत मिलेगी और सरकार पर कोई अतिरिक्त वित्तीय भार भी नहीं आएगा। ज्ञापन में गर्मी की छुट्टियां 30 जून तक पूर्व की भांति बहाल करने, संस्था प्रधानों को दो स्थानीय अवकाश घोषित करने के अधिकार पुनः देने तथा दिव्यांग श्रेणी में चयनित शिक्षकों का वेतन निर्धारण एवं स्थाईकरण शीघ्र कराने की भी मांग की गई है। इसके अलावा स्कूलों में स्टाफिंग पैटर्न लागू कर छात्र अनुपात के अनुसार शिक्षकों के पद निर्धारित करने तथा अधिशेष शिक्षकों का काउंसलिंग के माध्यम से आवश्यकता वाले विद्यालयों में समायोजन करने की मांग उठाई गई। संघ के जिलामंत्री चंद्रशेखर शर्मा ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामले के कारण प्रदेश में तृतीय श्रेणी शिक्षकों की पदोन्नतियां छह सत्रों से अटकी हुई हैं, जिससे करीब 45 हजार वरिष्ठ अध्यापकों के पद रिक्त पड़े हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को सुप्रीम कोर्ट में प्रभावी पैरवी कर डीपीसी पर लगी रोक हटवानी चाहिए, ताकि शिक्षकों को समय पर पदोन्नति मिल सके और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो।

आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना के लक्ष्यों को शत-प्रतिशत पूरा करें: एसीईओ

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर गुरुवार को जिला परिषद सभागार में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी बबली राम जाट की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। बैठक में चयनित ग्राम पंचायतों में स्वास्थ्य सूचकांकों के लक्ष्यों को शत-प्रतिशत पूरा करने तथा ग्रामीणों में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। एसीईओ बबली राम जाट ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना के तहत निर्धारित 18 स्वास्थ्य सूचकांकों की प्रगति में सुधार सुनिश्चित किया जाए तथा ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए नियमित कार्यशालाएं आयोजित की जाएं। उन्होंने कहा कि आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना का उद्देश्य केवल बीमारियों का उपचार नहीं, बल्कि स्वास्थ्य संरक्षण और बचाव पर विशेष ध्यान देना है। उन्होंने बताया कि जिले की चयनित ग्राम पंचायत मांगरौल, तसीमो, सिलावट, खिडौरा व लीलोठी में स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, महिला व बाल विकास विभाग तथा आयुर्वेद विभाग संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। योजना के तहत महिलाओं व किशोरियों के स्वास्थ्य परीक्षण, पोषण जागरूकता, योग एवं स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने, तंबाकू मुक्त ग्राम बनाने, औषधीय पौधों के रोपण, घरेलू उपचार के प्रचार-प्रसार तथा मौसमी बीमारियों से बचाव पर विशेष फोकस रहेगा। बैठक में टीबी, मीजल्स और रुबेला मुक्त ग्राम पंचायत बनाने, प्रत्येक परिवार की स्वास्थ्य प्रोफाइल तैयार करने तथा ग्रामीणों को प्राकृतिक चिकित्सा एवं आयुर्वेद के प्रति जागरूक करने पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर उपनिदेशक आयुर्वेद विभाग डॉ. दिनेश चंद, सहायक निदेशक आयुर्वेद विभाग डॉ. रमाकांत मिश्रा, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी महेश मंगल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

डाक विभाग की नई पहल, फ्रेंचाईजी आउटलेट खोलने के लिए आवेदन आमंत्रित

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। डाक विभाग की ओर से राजस्थान परिमंडल के अंतर्गत झुंझुनूं मंडल में विभागीय योजनाओं व सेवाओं को आमजन तक अधिक प्रभावी रूप से पहुंचाने के उद्देश्य से नई पहल की गई है। इसके तहत झुंझुनूं मंडल के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में बुकिंग फ्रेंचाईजी स्कीम के अंतर्गत फ्रेंचाईजी आउटलेट खोलने के लिए इच्छुक व्यक्तियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। डाकघर अधीक्षक ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य डाक विभाग की सेवाओं का विस्तार करते हुए अधिक से अधिक लोगों को स्थानीय स्तर पर सुविधाएं उपलब्ध करवाना है। योजना के तहत चयनित आवेदक अपने क्षेत्र में फ्रेंचाईजी आउटलेट संचालित कर विभागीय सेवाओं का लाभ आमजन तक पहुंचा सकेंगे। उन्होंने बताया कि आवेदन पत्र प्राप्त करने व जमा करवाने की अंतिम तिथि 30 जून है। इच्छुक अभ्यर्थी ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। फ्रेंचाईजी स्कीम के अंतर्गत फ्रेंचाईजी आउटलेट खोलने हेतु न्यूनतम 5 हजार से 15 हजार रुपए तक जमानत राशि के रूप में जमा करवाने होंगे। अधिक जानकारी एवं आवेदन संबंधी सहायता के लिए इच्छुक व्यक्ति कार्य दिवसों में प्रातः 9:30 बजे से सायं 6 बजे तक प्रधान डाकघर झुंझुनू के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं अथवा दूरभाष नंबर 01592-233022 / 232349 पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

खाद्य व नागरिक आपूर्ति सचिव का पेट्रोल पंपों पर औचक निरीक्षण, ईंधन आपूर्ति सामान्य

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। खाद्य व नागरिक आपूर्ति विभाग के सचिव अम्बरीष कुमार ने शुक्रवार को जयपुर शहर के विभिन्न पेट्रोल पंपों का आकस्मिक निरीक्षण कर पेट्रोल, डीजल व सीएनजी की उपलब्धता का जायजा लिया। निरीक्षण का उद्देश्य शहर में ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा आमजन में फैली आशंकाओं को दूर करना रहा। सचिव अम्बरीष कुमार ने टोंक रोड एवं मिर्जा इस्माइल रोड स्थित कुल छह पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया। इस दौरान इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम व हिंदुस्तान पेट्रोलियम कंपनियों के पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की उपलब्धता की जांच की गई। साथ ही विधिक माप विज्ञान अधिकारियों के माध्यम से नोजल से दी जा रही ईंधन की मात्रा की भी जांच करवाई गई। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पेट्रोल पंप संचालकों व कर्मचारियों से बातचीत कर स्टॉक और आपूर्ति व्यवस्था की जानकारी ली तथा उपभोक्ताओं से संवाद कर व्यवस्थाओं का फीडबैक भी प्राप्त किया। जांच में सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल, डीजल एवं सीएनजी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध पाए गए। अधिकारियों के अनुसार ईंधन की बिक्री में 20 से 25 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई है, लेकिन आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सामान्य बनी हुई है।

नोजल जांच में पांच लीटर ईंधन की मात्रा में 10 मिलीलीटर से कम का अंतर पाया गया, जिसे सामान्य माप-तौल की सीमा में माना गया। खाद्य व नागरिक आपूर्ति सचिव अम्बरीष कुमार ने कहा कि राज्य में पेट्रोल एवं डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और कहीं भी किसी प्रकार की कमी नहीं है। उन्होंने आमजन से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और घबराकर अनावश्यक ईंधन संग्रहण से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि विभाग लगातार निगरानी बनाए हुए है ताकि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने जालोर-दिल्ली रेल को दिखाई हरी झंडी

जयपुर टाइम्स

जालोर(निस)। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रेलवे से बचपन का जुड़ाव रहा है, मोदी ने अपना बचपन रेलवे के साथ बिताया है, वे चाहते है कि रेलवे का इतना विस्तार हो कि देशभर में कई नई गाड़ियां चालू हो। रेलमंत्री वैष्णव ने शुक्रवार को जालोर जिला मुख्यालय रेलवे स्टेशन पर भुज-दिल्ली वाया जालोर रेल सेवा शुरू करने के लिए आयोजित समारोह को सम्बोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि जैसे जैसे एक एक काम होगा, राजस्थान को जोड़ने वाली 200 नई गाड़ियां भी शुरू होने वाली है। उसके बाद आपको नए पोस्टर और बैनर लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अभी कई गाड़ियां शुरू हो चुकी है। मैं मानता हूं कि और भी डिमांड रहेगी, लेकिन हम उन्हें भी पूरा करेंगे। रेलमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने देशभर में 1300 रेलवे स्टेशनों का नवीनीकरण किया है। इतना ही नहीं स्थानीय सांस्कृतिक विरासत के जुड़ाव का भी ध्यान रखा गया है। ऐसे में जहां जैसी मिट्टी वहां वैसी खुशबू दी है। रेलमंत्री ने कई स्टेशनों के नक्शे भी जनता को बताए। रेलमंत्री ने कहा कि जालोर सांसद लुम्बाराम चौधरी मजबूत है और शेरदिल है। उन्होंने चौधरी के प्रयास की भी सराहना की। साथ ही पूर्व के भाजपा सांसदों की भी तारीफ की। वहीं इस रेल सेवा को लेकर आरएसएस के प्रकाश गुप्ता की भी विशेष कोशिश को जनता के सामने जाहिर किया। इसके बाद रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव, सांसद लुम्बाराम चौधरी, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, आहोर विधायक छगनसिंह राजपुरोहित, जीवाराम चौधरी, नारायणसिंह देवल, जसराज राजपुरोहित ने भुज-दिल्ली वाया जालोर रेल को हरी झंडी दिखाकर रवानगी दी। साथ ही रेलमंत्री इसी रेल में सवार होकर पाली के लिए रवाना हुए। जालोर जिला मुख्यालय से जयपुर और देश की राजधानी से सीधा जुड़ाव करने वाली रेल पहली बार शुरू हुई है। पिछले कई वर्षों से इसकी मांग की जा रही थी, लेकिन सरकारें बदलती रही और रेल शुरू नहीं हो पाई। राजधानी से जोड़ने के रेल शुरू करने के लिए पूर्व में जोगेश्वर गर्ग, पूर्व सांसद देवजी पटेल समेत नेताओं ने समय समय पर सरकार का ध्यानाकर्षण करवाया। साथ ही रेल सेवाओं को लेकर संघर्ष समितियों से जुड़े हीरा भंडारी, गोपाल जोशी, जगमालसिंह जैसे लोगों समेत दक्षिण भारत व दिल्ली में व्यवसायरत जालोरवासियों ने समय समय पर रेलवे अधिकारियों व मंत्रालय को पत्र लिखकर जालोर से दिल्ली रेल शुरू करने की मांग की थी। साथ ही पिछले दो वर्षों में सांसद लुम्बाराम चौधरी ने कई बार व्यक्तिगत मुलाकात कर मंत्री को इस बारे में अवगत कराया, जिस पर मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जालोर को यह बड़ी सौगात दी है। इस रेल सेवा को लेकर जालोर के हर व्यक्ति के चेहरे पर खुशी छाई हुई है।

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, शुक्रवार
22 मई, 2026

बिजली-पानी संकट को लेकर सरदारशहर में कांग्रेस सेवादल का प्रदर्शन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। विधानसभा क्षेत्र में लगातार गहराते पेयजल एवं बिजली संकट को लेकर कांग्रेस सेवादल ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन कर राज्यपाल के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। चूरू जिला कांग्रेस सेवादल के जिलाध्यक्ष संजय दीक्षित के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने शहर की बिगड़ती बिजली और पानी व्यवस्था पर रोष जताते हुए सरकार से तत्काल स्थायी समाधान की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि पिछले करीब दो महीनों से सरदारशहर शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार बिजली कटौती, लो-वोल्टेज और बार-बार ट्रिपिंग की समस्या बनी हुई है। भीषण गर्मी के बीच लगातार बाधित हो रही बिजली आपूर्ति से आमजन का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। घरों में विद्युत उपकरण बंद पड़े हैं, छोटे व्यापार प्रभावित हो रहे हैं तथा विद्यार्थियों की पढ़ाई भी बाधित हो रही है। गर्मी के कारण बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस सेवादल पदाधिकारियों ने जलदाय विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि शहर के कई वार्डों एवं ग्रामीण ढाणियों में कई दिनों से नियमित पेयजल आपूर्ति नहीं हो रही है। पानी की किल्लत के कारण लोगों को मजबूरन महंगे दामों पर निजी टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं, जिससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ रहा है। ज्ञापन में मांग की गई कि बिजली विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा जलदाय विभाग को नियमित पेयजल वितरण के निर्देश दिए जाएं। साथ ही खराब ट्रांसफार्मर, लो-वोल्टेज और पेयजल लाइन संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान कराया जाए। सेवादल कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आमजन के सहयोग से बड़ा जनआंदोलन किया जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

इस दौरान जिला मीडिया कोऑर्डिनेटर राकेश पारीक, जिला प्रवक्ता गोपाल बिजारणियां, विधानसभा अध्यक्ष इमरान खान, शहर अध्यक्ष शांतिलाल नाहटा, जिला उपाध्यक्ष शमसुद्दीन खोखर, ओमप्रकाश नाई, महेंद्र जाखड़, पार्षद रिजवान सैयद, मुंशी शाह भाटी, मदनसिंह निर्वाण, बुंदु भाटी, हनीफ नाई, सोनू नाई, दीपक शर्मा, महबूब खां, मोहम्मद याकूब कुरैशी, राजू खोखर, आशुतोष शर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस सेवादल कार्यकर्ता व नागरिक मौजूद रहे।

भाजपा नेता पुजारी का किया अभिनंदन

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष शाकिर खान बेसवा के नेतृत्व में भाजपा के पूर्व चूरू जिला अध्यक्ष धर्मवीर पुजारी का अभिनंदन समारोह शक्ति माता मंदिर के पास आयोजित कया गया। साफा, मालाओं से धर्मवीर पुजारी का स्वागत किया गया। इस अवसर पर आरिफ खान हासमखानी, ताज खान, मैनुद्दीन खान, मोहम्मद जावेद पवार, अब्दुल हक जोधा, शौकत खान, सद्दाम खान, इलियास खान, ताहिर खान, फैजान खान, अयान खान, रफीक बिसायती, प्रेम सेन, मनोज प्रजापत, मुकारब खान, जगदीश रेवाड़, समदर खान, आकिब खान, रामेश्वर लाल सैनी, नरेंद्र कुमार, अजहरुद्दीन मनिहार, साहिल खान, रमजान खान, राजू खान, एडवोकेट रनजीत खान, समीर खान, आदिल खान सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

बगड़िया अस्पताल के बाहर गड्ढे में फंसी एम्बुलेंस

मरीज और परिजन परेशान

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। राजकीय बगड़िया अस्पताल के प्रवेश द्वार पर बने गड्ढे और क्षतिग्रस्त नाले के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शुक्रवार दोपहर मरीज को लेकर अस्पताल पहुंची एक एम्बुलेंस स्वागत द्वार के पास बने गड्ढे में फंस गई, जिससे मरीज और परिजन काफी देर तक परेशान रहे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाद में स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद एम्बुलेंस को बाहर निकाला जा सका। अस्पताल आने-जाने वाले मरीजों और वाहन चालकों को लंबे समय से इस समस्या से जूझना पड़ रहा है। टीम हारे का सहारा के संयोजक श्याम स्वर्णकार ने बताया कि नाले पर बने गड्ढों के कारण मरीजों, उनके परिजनों और वाहन चालकों को रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कई बार वाहन फंसने की घटनाएं भी हो चुकी हैं। इस संबंध में नगरपरिषद प्रशासक ओमप्रकाश वर्मा व आयुक्त गिरधारीलाल पारीक ने बताया कि समस्या के समाधान के लिए जल्द कार्य करवाया जाएगा।

रूस्तम धोरा आलसर चोरी कांड का खुलासा

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। क्षेत्र के रूस्तम धोरा आलसर में पिछले दिनों हुई चोरी की वारदात का राजलदेसर पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। चोरी की घटना सामने आने के बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की और तकनीकी साक्ष्यों व सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी तक पहुंचने में सफलता हासिल की। थानाधिकारी सुरेन्द्र बारूपाल के नेतृत्व में गठित टीम ने घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की बारीकी से जांच की। पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर सूचना तंत्र सक्रिय किया और बीदासर से एक संदिग्ध युवक जगदीश प्रसाद पुत्र भंवरलाल को डिटेन किया। आरोपी मूल रूप से जैतासर थाना छापर का निवासी है तथा वर्तमान में बिग्गाबास, श्रीडूंगरगढ़ में रह रहा था। पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर राजलदेसर थाने पहुंची, जहां उससे गहन पूछताछ की गई। शुरूआती पूछताछ में आरोपी पुलिस को गुमराह करने का प्रयास करता रहा, लेकिन मनोवैज्ञानिक तरीके और सख्ती से पूछताछ करने पर आखिरकार उसने चोरी की वारदात करना स्वीकार कर लिया। पुलिस अब आरोपी से चोरी गए सामान की बरामदगी के साथ-साथ वारदात में शामिल अन्य संभावित साथियों और घटनाओं के संबंध में भी गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्रवासियों में भरोसा बढ़ा है तथा लोगों ने त्वरित कार्रवाई के लिए पुलिस टीम की सराहना की है।

डी.बी. अस्पताल में व्याप्त अनियमितता को लेकर पीपुल यूनिटी संस्था ने सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला मुख्यालय के डी.बी. अस्पताल में व्याप्त अनियमितता में सुधार की मांग को लेकर पीपुल यूनिटी संस्थान की ओर से संस्था अध्यक्ष रघुनाथ खेमका के नेतृत्व में जिला कलक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि डी.बी. अस्पताल के मातृ व शिशु अस्पताल में कूलिंग प्लांट को पुनः शुरू करने, शौचालय को सही करने, नियमित साफ-सफाई, कचरा प्रबंधन को सही करने सहित अन्य सुविधाओं को सुनिश्चित करने की मांग की गई। संस्था पदाधिकारियों ने बताया कि करीब 2 करोड़ की लागत से स्थापित कूलिंग प्लांट प्रारंभिक समय में भीषण गर्मी के दौरान मरीजों व उनके परिजनों को राहत पहुंचाता था, लेकिन पिछले दो वर्षों से यह बंद पड़ा है। उन्होंने कहा कि अस्पताल प्रशासन की ओर से इस ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिए जाने से प्रसूताओं, नवजात शिशुओं व उनके परिजनों को इस भीषण गर्मी में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में जिला कलक्टर सुराणा ने शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस अवसर पर सचिव इंजी. सुरेश शर्मा, मोहन भालेरी वाला, सुरेंद्र बोथरा सहित संस्था के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जयपुर में कांग्रेस का प्रदर्शन

चूरू के कार्यकर्ताओं ने दी गिरफ्तारियां

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर कांग्रेस द्वारा जयपुर में किए गए भाजपा प्रदेश मुख्यालय घेराव और विरोध प्रदर्शन में चूरू जिले से भी बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के आह्वान पर प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष रफ़ीक मंडेलिया के नेतृत्व में चूरू से कांग्रेसजन जयपुर पहुंचे और प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तारियां दीं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने गोवर्मेंट हॉस्टल के पास अनेक कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष रफ़ीक मंडेलिया ने कहा कि एनटीए पेपर लीक देश के लाखों विद्यार्थियों और अभ्यर्थियों के भविष्य के साथ बड़ा विश्वासघात है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह मामला भाजपा सरकार की विफलता का प्रमाण है। मंडेलिया ने कहा कि छात्रों के सपनों को कुचलने वाली संस्था एनटीए को तत्काल प्रतिबंधित किया जाना चाहिए तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पेपर लीक प्रकरण में शामिल दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देकर छात्रों को न्याय दिलाना जरूरी है। जानकारी के अनुसार चूरू शहर ब्लॉक कांग्रेस और देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय से करीब 50 वाहनों में सवार होकर कांग्रेस कार्यकर्ता सुबह जयपुर के लिए रवाना हुए थे, जो देर शाम वापस चूरू पहुंचे। प्रदर्शन में प्रदेश कांग्रेस सचिव रियाजत खान, शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष असलम खोखर, रामेश्वर प्रजापति एडवोकेट, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान, नारायण बालान, सोहनलाल मेघवाल, युवा नेता हेमंत सिहाग, डॉ. प्यारेलाल दानोदिया, शेर खान मलकान, आरिफ रिसालदार, शिवकुमार शर्मा, नरपत रोलन, अनीश खान, शाहरुख खान, इस्माइल भाटी, आबिद खान, जयचंद मेघवाल, अज़ीज़ खान, अली मोहम्मद भाटी, बजरंग बजाड़, जंगशेर खान, असलम मॉयल, मुश्ताक पीथीसर, सलीम पीए, सुरेश कुमार सहित सैकड़ों कांग्रेसजन मौजूद रहे।

25 लाख की ग्रेवल सड़कों में धांधली का आरोप, किसानों ने नगरपालिका पर जड़ा ताला

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। कस्बे में नगरपालिका की ओर से स्वीकृत ग्रेवल सड़क निर्माण कार्यों में कथित अनियमितताओं को लेकर सोमवार को किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। अखिल भारतीय किसान सभा के बैनर तले बड़ी संख्या में किसानों ने नगरपालिका कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन कर जमकर नारेबाजी की। आक्रोश इतना बढ़ गया कि किसानों ने नगरपालिका कार्यालय पर ताला जड़ दिया और कनिष्ठ अभियंता के खिलाफ 'चोर है' के नारे लगाए। बाद में प्रशासन की समझाइश और सात दिन में जांच कराने के आश्वासन पर मामला शांत हुआ और ताला खोला गया। किसान सभा के नेता कामरेड भादर भाम्भू ने आरोप लगाया कि नगरपालिका की ओर से क्षेत्र में आठ ग्रेवल सड़कों के निर्माण के लिए करीब 25 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई थी, लेकिन ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत से निर्माण कार्यों में भारी अनियमितता बरती गई। किसानों का आरोप था कि सड़क निर्माण में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया तथा निर्धारित मापदंडों के अनुसार कार्य नहीं किया गया। धरना-प्रदर्शन के दौरान किसानों ने नगरपालिका प्रशासन और राजस्थान सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सूचना मिलने पर पुलिस जाप्ता मौके पर पहुंचा। कार्यवाहक अधिशाषी अधिकारी सहदेव चारण और कनिष्ठ अभियंता सुनील दत्त मंडार भी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर समझाइश का प्रयास किया। लेकिन किसानों ने कनिष्ठ अभियंता से सवाल किया कि 25 लाख रुपए की लागत से बनने वाली ग्रेवल सड़क की लंबाई, चौड़ाई और मोटाई कितनी होनी चाहिए तथा मौके पर कितना कार्य हुआ है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर किसान और अधिक आक्रोशित हो गए और नगरपालिका कार्यालय पर ताला लगा दिया। स्थिति को गंभीर होता देख उपखंड अधिकारी मिथलेश कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने किसानों और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच वार्ता करवाई। काफी देर चली बातचीत के बाद दोनों पक्षों के बीच सहमति बनी कि सार्वजनिक निर्माण विभाग के कनिष्ठ अभियंता, उपखंड अधिकारी और प्रशासन के अन्य अधिकारी मिलकर सात दिन बाद निर्माण कार्यों की जांच करेंगे तथा रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन के आश्वासन के बाद किसानों ने नगरपालिका कार्यालय का ताला खोल दिया और धरना समाप्त किया। प्रदर्शन के दौरान तहसीलदार हरदीप सिंह, थानाधिकारी सुरेन्द्र बारूपाल, कार्यवाहक अधिशाषी अधिकारी सहदेव चारण और कनिष्ठ अभियंता सुनील दत्त मंडार सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। धरने को भीम सेना के श्रवण बारूपाल, मेघवाल महासभा के कालूराम तंवर, किसान सभा के विजयपाल कड़वासरा, शिक्षक संघ के शुभकरण नैण और लाभचंद सोनी सहित कई वक्ताओं ने संबोधित किया। मौके पर बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। उपखंड अधिकारी मिथलेश कुमार ने बताया कि प्रदर्शनकारियों से सहमति बन गई है और जांच कमेटी सात दिन बाद मौके पर जांच कर न्यायसंगत कार्रवाई करेगी।

जेबतराशी कर एक लाख रुपए उड़ानें का आरोपी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के कच्चा बस स्टैंड पर बुजुर्ग यात्री की जेब से एक लाख रुपए चोरी करने के मामले में थाना सरदारशहर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अब उससे वारदात में शामिल अन्य आरोपियों, नकदी बरामदगी और अन्य चोरी की घटनाओं के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार 21 मई को शिमला निवासी 72 वर्षीय करणी सिंह पुत्र कुरड़ सिंह राजपूत ने मामला दर्ज करवाया था। रिपोर्ट में बताया कि वह 14 मई की सुबह करीब 9 बजे गांव शिमला से बस में बैठकर बीकानेर जा रहे थे। सरदारशहर कच्चा बस स्टैंड पर बस से उतरते समय दो-तीन अज्ञात व्यक्तियों ने उनकी जेब से एक लाख रुपए निकाल लिए और मौके से फरार हो गए। इस संबंध में थाना सरदारशहर में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक निश्चय प्रसाद एम. एसपी के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार व वृताधिकारी कुलदीप वालिया के सुपरविजन में थानाधिकारी मदनलाल बिश्नोई और उपनिरीक्षक प्रताप सिंह के नेतृत्व में विशेष टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीमों ने विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी फुटेज खंगाले तथा आसूचना संकलन करते हुए थाना क्षेत्र के अलावा रतनगढ़, सुजानगढ़ और सीकर जिले तक आरोपियों की तलाश की। जांच के दौरान पुलिस ने मामले में शामिल आरोपी बजरंगलाल पुत्र गोपीलाल सोनी उम्र 55 निवासी वार्ड 9 गोविंद राम मंदिर के पीछे छापर को दस्तयाब कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी से वारदात में शामिल अन्य साथियों व चोरी की रकम की बरामदगी तथा अन्य जेबतराशी की घटनाओं के संबंध में पूछताछ जारी है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक प्रताप सिंह, कांस्टेबल लीलाधर, नन्दलाल व रामचन्द्र की कार्रवाई में विशेष भूमिका रही हैं।

नवीन जल कनेक्शन जागरूकता अभियान चलाया, आमजन को पानी बचाने के लिए किया जागरूक

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना के अधिशासी अभियंता मनोज कुमार मित्तल के निर्देशन मे ऑडियो अनाउंसमेंट की ओर से नवीन जल कनेक्शन के लिए आमजन को जागरूक किया जा रहा है। आमजन को सामुदायिक जागरूकता इकाई के बाबूलाल ने नवीन जल कनेक्शन के बारे मे जानकारी दी ओर जल संरक्षण पर बोलते हुए कहा कि जल है तो कल है जल सरंक्षण हमारा दायित्व ही नहीं कर्तव्य भी है। पानी को किसी भी तरह बर्बाद नहीं करे, आवश्यकतानुसार ही जल का उपयोग करे, पानी की एक एक बूंद बचाएं, आज की बचत कल का भविष्य है तथा आप इसमें सहयोग करे और अपने परिवार वालों से भी सहयोग के बारे में जागरूक करें। जीवन के सभी कार्यों का निष्पादन करने के लिए जल की आवश्यकता होती है। फर्श को पाइप से धोने की बजाय पोछे से साफ करें, सेविंग करते वक्त नल को खुला ना छोड़े, मग में पानी लेकर सेव करे, टपकते नलों को तुरन्त ठीक करावे, शावर से नहाने की बजाय बाल्टी व मग का उपयोग करें, आरओ के शेष पानी को फर्श व गाड़ी धोने में उपयोग करें, नल चालू करके कपड़े व बर्तन ना धोए। इस प्रकार की छोटी छोटी आदतों से बहुत सारा पीने वाला पानी बचाया जा सकता है जो आज की बचत और कल का भविष्य है। जागरूकता कार्यक्रम में स्थानीय आमजन व पवन सिंह आदि ने सहभागिता निभाई।

पाटोदा में योग सत्र आयोजित, ग्रामीणों ने किया उत्साहपूर्वक योगाभ्यास

जयपुर टाइम्स

मंडावा(निस)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के काउंट डाउन अभियान के तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिर व राजकीय आयुर्वेद औषधालय पाटोदा में शुक्रवार को योग सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। चिकित्सा अधिकारी डॉ. विमला ने बताया कि आयोजित योग शिविर में करीब 80 ग्रामीणों ने भाग लिया। योग प्रशिक्षक प्रमेन्द्र मोगा ने उपस्थित लोगों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास करवाया तथा नियमित योग करने के फायदे बताए। उन्होंने कहा कि योग व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखने का सबसे सरल व प्रभावी माध्यम है। कार्यक्रम के दौरान आयुष कंपाउंडर निशा कुमारी ने विभिन्न रोगों में योगासनों के महत्व की जानकारी देते हुए बताया कि नियमित योगाभ्यास से तनाव, मधुमेह, मोटापा एवं अन्य बीमारियों से बचाव संभव है। उन्होंने ग्रामीणों को स्वस्थ दिनचर्या अपनाने और प्रतिदिन योग करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर योग प्रशिक्षक प्रमेन्द्र मोगा ने फल वितरण किया तथा ग्रामीणों के सहयोग से पक्षियों के लिए परिंडे भी बांधे गए। साथ ही 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस काउंट डाउन योगाभ्यास पोस्टर का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में विश्वेश्वर सिंह, अजीज खान, नेमीचंद, उम्मेद खान, मोहनलाल, सबिर खान, मदन सिंह, शंकर सिंह, मंजू आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, ललिता आशा सहयोगिनी सहित बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित रहे। आयोजन के दौरान ग्रामीणों में योग के प्रति विशेष उत्साह देखने को मिला।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।